दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

जिंदगी और सिनेमा के अनुभवों को किताब में पिरोएंगे

महिलाओं की सुरक्षा का उठाया मुद्दा

वर्ष : 12 | अंक : 273 | लखनऊ, 29 सितम्बर, मंगलवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

त्रि-भाषा व्यवस्था को लेकर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

7वीं-8वीं की तरह छठी में भी राहत, 10वीं में नहीं होगी इसकी बोर्ड परीक्षा

तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक रूप से किया जाएगा। इसका दसवीं कक्षा के बोर्ड परिणाम पर पास या फेल होने का असर नहीं होगा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को निर्देश दिया कि तीन-भाषा व्यवस्था के तहत छठी कक्षा के छात्रों को भी वही राहत दी जाए, जो अभी सातवीं कक्षा के छात्रों को मिल रही है। यह मामला सीबीएसई की तीन-भाषा नीति को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सामने आया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी। अदालत ने कहा कि छठी कक्षा के छात्रों को भी तीसरी भाषा के मूल्यांकन में सातवीं कक्षा के छात्रों के लिए दी गई छूट का लाभ दिया जाए।

खास बातें

- पास या फेल नहीं, सिर्फ उपस्थिति प्रमाणपत्र होगा
- 4 सप्ताह के भीतर सीबीएसई को देना होगा हलफनामा

संक्रमणकालीन राहत दी

अदालत के आदेश का सबसे अहम हिस्सा तीसरी भाषा के मूल्यांकन से जुड़ा है। अभी सातवीं, आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्रों को संक्रमणकालीन राहत दी गई है। इसके तहत जब वे दसवीं कक्षा में पहुंचेंगे, तो तीसरी भाषा की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीएसई को चार सप्ताह के भीतर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

तीसरी भाषा का मूल्यांकन आंतरिक स्तर पर

तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर आंतरिक रूप से किया जाएगा। इसका दसवीं कक्षा के बोर्ड परिणाम पर पास या फेल होने का असर नहीं होगा। अब यही राहत छठी कक्षा के छात्रों को भी दी गई है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि छठी कक्षा के छात्रों को सातवीं कक्षा के छात्रों को दी गई वही छूट दी जाए। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान संकेत दिया कि पास या फेल नहीं होगा। केवल उपस्थिति प्रमाणपत्र होगा।

1.2 प्रतिशत स्कूलों ने नहीं की व्यवस्था: सरकार

सुनवाई की शुरुआत में भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि छठी कक्षा के छात्रों को मौजूदा शैक्षणिक वर्ष से ही इस व्यवस्था में शामिल करने को लेकर सरकार अदालत को इसके पक्ष में समझाने का प्रयास करेगी। उन्होंने बताया कि कुल 28,819 स्कूलों में से करीब 1.2 प्रतिशत स्कूलों को छोड़कर बाकी स्कूल व्यवस्था के अनुरूप हैं। उनके अनुसार किताबें और अध्ययन सामग्री उपलब्ध हैं और छात्रों ने इस व्यवस्था को अपनाया है।

सीबीएसई अधिकारी नियुक्त करे

अदालत ने कहा कि सीबीएसई बाकी स्कूलों तक पहुंचने के लिए एक अधिकारी नियुक्त करे। यह अधिकारी उन स्कूलों की दिक्कतों का पता लगाएगा, जो अभी इस व्यवस्था के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पाए हैं। अदालत के आदेश में दर्ज किया गया कि 99 प्रतिशत स्कूलों में जरूरी ढांचा उपलब्ध है, जबकि 1.2 प्रतिशत स्कूलों में अभी सुविधाएं तैयार की जानी बाकी हैं। न्यायमूर्ति बागची ने यह भी कहा कि अगर किसी स्कूल ने आंतरिक मूल्यांकन में किसी छात्र को रोक दिया, तो अदालत इस मामले में हस्तक्षेप करेगी।

याचिकाकर्ता बोले-नीति को 2027 तक टालें

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि छात्रों ने इस व्यवस्था का पालन इसलिए किया, क्योंकि उनके पास दूसरा विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा कि शुरुआत में पाठ्यपुस्तकें ऑनलाइन उपलब्ध नहीं थीं। उन्होंने यह भी बताया कि सीबीएसई से करीब 28.83 लाख छात्र जुड़े हैं। उनका कहना था कि भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद (आईसीएसई) और राज्य बोर्ड बीच पढ़ाई कर रहे बच्चों पर ऐसी ही व्यवस्था लागू नहीं कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

एक नवंबर से दिल्ली में वर्क फ्रॉम होम

नई दिल्ली। सर्दियों के आमद की आहट के साथ ही दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के रोकथाम के लिए अभी से नियमावली और प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं। 1 नवंबर से दिल्ली में सरकारी और गैर सरकारी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम के आदेश दिए गए हैं। साथ ही तोड़फोड़, गाड़ियों के स्क्रैप के काम पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

जनगणना सवाल पूछने की मिलेगी ट्रेनिंग

नई दिल्ली। यूपी, उत्तराखंड, पंजाब व गोवा जैसे राज्यों में जहां जनगणना का दूसरा चरण दिसंबर में ही शुरू हो रहा है, वहां मुश्किल सवालों को पूछने के तौर तरीकों को लेकर खासी तैयारी की जा रही है। इस काम में लगे जनगणना कर्मियों को विशेष ट्रेनिंग दी जा रही है। सबसे ज्यादा जोर नागरिकों से सम्मानजनक संवाद पर दिया जा रहा है।

केंद्र सरकार का पशुधन बीमा पोर्टल शुरू

नई दिल्ली। भारत सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग द्वारा में 'लाइवस्टॉक इंश्योरेंस पोर्टल' (पशुधन बीमा पोर्टल) का शुभारंभ किया गया। केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने बताया कि इसके माध्यम से पशुधन बीमा योजना के तहत बीमित पशुओं के लिए पॉलिसी जारी करने, दावों के निपटान, निगरानी में मदद मिलेगी।

सड़क हादसे में पिता-पुत्र समेत 3 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के ठाणे में हुए एक दर्दनाक हादसे में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य लोग घायल भी हुए हैं। सड़क हादसा ठाणे जिले के मालशेज घाट के नजदीक हाईवे पर हुआ। पुलिस ने मामले में पोल्ट्री वैन के ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज कर लिया

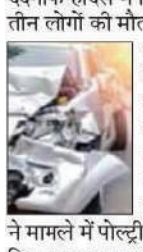

यूपी में भाजपा विधायकों की जमीनी हकीकत ने बढ़ाई हाईकमान की बेचैनी!

तावड़े की रिपोर्ट में उठे चार बड़े सवाल—भ्रष्टाचार, जातिवाद, कार्यकर्ताओं की नाराजगी और बेलगाम नौकरशाही

कई विधायकों के टिकट पर संकट के संकेत!

अमन लेखनी समाचार/डॉ0 राज कुमार सिंह चौहान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट के साथ ही भारतीय जनता पार्टी के भीतर जमीनी स्तर की हकीकत को लेकर मंथन तेज हो गया है। भाजपा ने चुनावी तैयारियों को धार देने के लिए राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया है। इसके बाद प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में संगठन और जनप्रतिनिधियों की वास्तविक स्थिति जानने की कवायद भी तेज हुई है।

सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों से मिले फीडबैक में कुछ ऐसे संकेत सामने आए हैं, जिन पर पार्टी हाईकमान गंभीरता से विचार कर रहा है। दावा है कि तावड़े की ओर से प्रदेश के विधायकों और संगठन की जमीनी स्थिति को लेकर विस्तृत फीडबैक शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाया गया है। हालांकि इस कथित रिपोर्ट को भाजपा ने सार्वजनिक नहीं किया है।

चार मुद्दे बने सबसे बड़ी चिंता

सूत्रों के अनुसार, फीडबैक में विशेष रूप से चार मुद्दे चर्चा के केंद्र में हैं—

पहला—भ्रष्टाचार को लेकर शिकायतें।

दूसरा—जातीय समीकरणों और कथित जातिवादी व्यवहार को लेकर नाराजगी।

तीसरा—जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और असंतोष।

चौथा—नौकरशाही के स्तर पर जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की समस्याओं को लेकर शिकायतें।

पार्टी के लिए सवाल केवल शिकायतों का होना नहीं, बल्कि यह बताया जा रहा है कि इन शिकायतों का जनता और संगठन के बीच भाजपा की स्थानीय छवि पर कितना असर पड़ रहा है।

तावड़े का फीडबैक, आंतरिक सर्वे और खुफिया रिपोर्ट—तीन तरफ से घिरा आकलन!

सूत्रों का कहना है कि हाईकमान के स्तर पर विधायकों की स्थिति का आकलन किसी एक रिपोर्ट से नहीं, बल्कि अलग-अलग माध्यमों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर किया जा रहा है। पार्टी के आंतरिक सर्वे, संगठनात्मक रिपोर्ट और जिलों से मिलने वाली सूचनाओं को भी मिलाकर जमीनी स्थिति समझने की कोशिश की जा रही है।

इसी वजह से प्रदेश के कुछ मौजूदा विधायकों की जनता में पकड़, कार्यकताओं से संबंध, संगठन के साथ तालमेल, क्षेत्र में सक्रियता और चुनावी स्थिति को लेकर नए सिरे से समीक्षा किए जाने की चर्चा है।

'टिकट पक्का' मानकर चल रहे विधायकों को झटका?

सबसे ज्यादा हलचल उन विधायकों को लेकर बताई जा रही है, जो 2027 में अपना टिकट लगभग तय मानकर चल रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व यदि सर्वे और फीडबैक में किसी विधायक की स्थिति को संतोषजनक नहीं पाता है तो मौजूदा चेहरे को दोहराने के बजाय नए उम्मीदवार पर दांव लगाने का विकल्प खुला रखा जा सकता है।

यानी चुनाव अभी दूर है, लेकिन टिकट की दौड़ में कोई भी मौजूदा विधायक खुद को सुरक्षित मानकर नहीं चल सकता।

कार्यकर्ता नाराज तो चुनावी गणित कैसे साधेगी भाजपा?

भाजपा की चुनावी ताकत लंबे समय से उसके बूथ स्तर के संगठन और कार्यकर्ता नेटवर्क को माना जाता रहा है। ऐसे में यदि अलग-अलग क्षेत्रों से कार्यकताओं की उपेक्षा या असंतोष की शिकायतें नेतृत्व तक पहुंच रही हैं तो यह पार्टी के लिए संगठनात्मक समीक्षा का विषय बन सकता है।

तावड़े ने यूपी में अपने अभियान की शुरूआत संगठन, कैडर और बूथ स्तर की तैयारियों पर जोर देते हुए की है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पार्टी 2027 की तैयारी में संगठनात्मक समन्वय और जमीनी संपर्क को मजबूत करने पर भी जोर दे रही है।

अब निगाहें दिल्ली पर—कौन बचेगा, कौन बदलेगा?

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल अब यह बनता जा रहा है कि क्या भाजपा 2027 में बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों पर ही भरोसा करेगी या जमीनी फीडबैक के आधार पर टिकट वितरण में बड़ा बदलाव करेगी?

फिलहाल न तो भाजपा ने किसी विधायक के टिकट काटने की घोषणा की है और न ही तावड़े की कथित रिपोर्ट सार्वजनिक हुई है। लेकिन यदि सूत्रों के दावे सही हैं, तो आने वाले महीनों में सर्वे, संगठनात्मक फीडबैक और क्षेत्रीय रिपोर्टें भाजपा के टिकट वितरण की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

2027 की लड़ाई से पहले भाजपा के भीतर सबसे बड़ा संदेश यही माना जा रहा है—कुर्सी पर बैठना काफी नहीं, जमीन पर पकड़ भी दिखानी होगी।

टीएमसी नाम और चुनाव चिन्ह विवाद

सुको का ईसी को आदेश, तीन महीनों के भीतर करें फैसला

ममता बेनर्जी की याचिका पर आया यह फैसला

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिन्ह जोड़ा घास फूल चुनाव चिन्ह को लेकर पार्टी के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चुनाव आयोग को फैसला करने के लिए समय सीमा तय कर दी। शीर्ष अदालत ने दोनों गुटों को चुनाव आयोग के समक्ष अपनी दलीलें और दस्तावेज चार सप्ताह के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि दोनों पक्षों की दलीलें पूरी होने के बाद चुनाव आयोग तीन महीने के भीतर विवाद पर फैसला करे। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक, यह प्रक्रिया चार सप्ताह में पूरी होने के बाद आयोग के पास फैसला लेने के लिए तीन महीने की समयसीमा होगी।

एसआईआर पर 5 अक्तूबर को होगी सुनवाई

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तत्काल सुनवाई की मांग को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने मामले की सुनवाई 5 अक्तूबर को तय की है। पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर 6 अक्तूबर को उपचुनाव होने हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना शामिल थे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से जल्द तारीख देने की मांग की गई थी, क्योंकि एसआईआर से जुड़े कई मामले अभी लंबित हैं।

चुनाव आयोग ने लगाई हुई है रोक

चुनाव आयोग ने दोनों प्रतिद्वंद्वी गुटों को अंतरिम व्यवस्था के तहत अलग-अलग नाम और चुनाव चिन्ह आवंटित किए हैं। आयोग ने दोनों पक्षों को 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' नाम और उसके आरक्षित 'फूल और घास' चिन्ह के इस्तेमाल से रोक दिया था। आयोग ने कहा था कि दोनों गुटों के बीच पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह को लेकर विवाद का अंतिम फैसला चुनाव चिन्ह आवंटन आदेश, 1968 के प्रावधानों के तहत किया जाना जरूरी है। आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद यह अंतरिम व्यवस्था आगामी उपचुनावों के मद्देनजर लागू की थी। इसका उद्देश्य विवाद के अंतिम निपटारे तक दोनों गुटों के लिए अलग चुनावी पहचान तय करना था। पश्चिम बंगाल की रेजीनगर और नंदीग्राम विधानसभा सीटों पर 6 अक्तूबर को उपचुनाव होने हैं।

बुलेट ट्रेन के काम ने पकड़ी गति

महाराष्ट्र में लॉन्च हुआ पहला स्टील ब्रिज, 1405 टन वजन

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट में महाराष्ट्र में इस कॉरिडोर के लिए पहला स्टील ब्रिज लॉन्च किया गया है। 100 मीटर लंबे और करीब 1,405 टन वजनी इस विशाल पुल को महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवंडी स्थित डाइव-अंजुर गांव में एनएच-3 यानी नासिक हाईवे के ऊपर बनाया गया है। खास बात यह है कि इस पुल को करीब 1300 किलोमीटर दूर तमिलनाडु के त्रिची में तैयार किया गया और फिर इसे महाराष्ट्र पहुंचाकर साइट पर असेंबल किया गया। यह स्टील ब्रिज 100 मीटर लंबा, 14 मीटर चौड़ा और 14 मीटर ऊंचा है। इसे हाईवे के ऊपर इस तरह लगाया गया है कि नीचे से गुजरने वाले ट्रैफिक पर कम से कम असर पड़े। ब्रिज के निर्माण में करीब 54,076 टोर-शियर प्रकार के उच्च क्षमता वाले बोल्ट का इस्तेमाल किया गया है।

शरद पवार का गठजोड़ से इनकार

हम कहीं नहीं जा रहे, साथ आना है तो आइए, विलय की अटकलें

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने सोमवार को अपनी पार्टी के सत्ता पक्ष के साथ जाने की अटकलों को खारिज कर दिया। मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि उनकी पार्टी कहीं नहीं जा रही है और किसी के साथ नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि हम कहीं नहीं जा रहे हैं। हम किसी के साथ नहीं जाएंगे। अगर आप आना चाहते हैं तो हमारे साथ आइए। शरद पवार के बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में राकांपा के दोनों गुटों के संभावित विलय को लेकर चर्चा फिर शुरू हो गई है। एनसीपी (एसपी) महा विकास आघाड़ी का हिस्सा है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूटीबी) और कांग्रेस भी शामिल हैं। एनसीपी (एसपी) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने कहा कि शरद पवार ने पार्टी का रुख स्पष्ट कर दिया है।

शरद पवार

'शक्ति' आराधना की तैयारी

माता की मूर्तियां अलग स्थानों पर पहुंचाई जा रही

हावड़ा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा में दुर्गा पूजा त्योहार से पहले देवी दुर्गा की मूर्तियों को अलग-अलग जिलों में ले जाया जा रहा है। दुर्गा पूजा त्योहार से पहले कलाकार देवी दुर्गा की मूर्ति को तैयार करने और रंगने का काम जोर शोर से जारी है। साल 2026 में दुर्गा पूजा 16 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मनाई जाएगी। 16 अक्टूबर को दुर्गा पूजा का पहला दिन है। उस दिन कल्पारम्भ होता है, कोलाबोऊ पूजा से एक दिन पहले षष्ठी को कल्पारम्भ पूजा होती है। कल्पारम्भ को बिल्व निमन्त्रण भी कहते हैं। इसमें मां दुर्गा को कलश में निवास या बिल्व वृक्ष में निवास के लिए आमंत्रित करते हैं।

'युवा संवाद कॉन्क्लेव' में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन का बड़ा ऐलान

भाजपा बनाएगी निवेश अनुकूल वातावरण युवाओं को मिलेगा रोजगार, बढ़ेंगी नौकरियां

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन के दौरान पूंजी का पलायन हुआ और करीब 6,700 कंपनियां बंद हो गईं तथा उन्होंने जोर दिया कि राज्य में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाना भाजपा सरकार की प्राथमिकता होगी। 'युवा संवाद कॉन्क्लेव' में नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने पर ध्यान देगी।

युवाओं से आग्रह, जीवन में शॉर्टकट से बचें

नितिन नवीन का कोलकाता एयरपोर्ट पर स्वागत

नवीन ने युवाओं से जीवन में 'शॉर्टकट' से दूर रहने का आग्रह किया और लगन एवं निरंतरता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मैं सभी युवाओं से आग्रह करूंगा कि वे जीवन में शॉर्टकट रास्ते से बचें। जीवन 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि एक लंबी दौड़ है, जिसमें ताकत और निरंतरता की परीक्षा होती है।

6,700 कंपनियां बंद हुईं थीं

नवीन ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन के दौरान पश्चिम बंगाल में लगभग 6,700 कंपनियां बंद हो गईं। राज्य से पूंजी का पलायन हुआ। राज्य में भाजपा सरकार की प्राथमिकता निवेश लाने के लिए वातावरण बनाने की होगी।

65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी नई दिल्ली आयोजन के दौरान ऐलान

20 कलाकार ललित कला अकादमी अवार्ड से होंगे सम्मानित

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

ललित कला अकादमी ने 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी के दौरान देशभर के 20 कलाकारों को प्रतिष्ठित ललित कला अकादमी अवार्ड देने की घोषणा की। यह प्रदर्शनी कलाकारों को अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने के लिए एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करती है। संस्कृति मंत्रालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, अकादमी को 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 2,000 से अधिक कलाकारों से लगभग 6,000 से अधिक कलाकृतियां प्राप्त हुईं थीं। जूरी ने उत्कृष्ट 20 कलाकृतियों का चयन किया।

6,000 से अधिक कलाकृतियों में से 20 चुनी गईं

देश की सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियों पर लगी मुहर

ये हैं 20 विजेता

पुरस्कार विजेताओं में मूर्तिकार चंद्र शेखर सैन, चित्रकार गोपाल चंद्र नस्कर और किशोर कुमार जैसे कई नाम शामिल हैं। इसके अलावा सम्मानित किए जाने वालों में मृणाल डे, निधि चोपड़ा, निमाई सिंह, पंकज कुमार, पूजा राजपूत, प्रवीण कुमार, प्रीतम मधुकर, राजेंद्र प्रसाद, रमेश विट्ठल थोराट, रविराम रामकृष्णन, संजय कुमार, संजय कुमार साहनी और संजीव कुमार गोगोई आदि शामिल हैं।

मप्र की मूर्तिकार पूजा राजपूत होंगी सम्मानित

65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में मध्य प्रदेश से मूर्तिकार पूजा राजपूत को उनकी सफेद संगमरमर की मूर्ति 'प्रकृति शोषण' के लिए प्रतिष्ठित ललित कला अकादमी पुरस्कार मिला है।

कलात्मक पहचान का मंच : 65वीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी न केवल कलात्मक पहचान का एक मंच है, बल्कि यह भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी योगदान देती है। कलाकारों, दर्शकों, संग्राहकों और संस्थानों को एक साथ लाकर यह प्रदर्शनी कलाकारों के लिए अधिक पहचान का अवसर देती है।

'हिंदी पखवाड़े' के पुरस्कार वितरित

राज्य सभा सचिवालय के राजभाषा अनुभाग द्वारा 14 से 28 सितम्बर, 2026 तक आयोजित किए गए 'हिंदी पखवाड़े' के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राज्य सभा के महासचिव पीसी मोदी ने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। राज्य सभा सचिवालय की वार्षिक हिंदी गृह पत्रिका 'नूतन प्रतिबिंब' के इक्कीसवें अंक का लोकार्पण भी किया गया।

खराब मौसम के कारण काठमांडू जाने वाली दो उड़ाने लखनऊ एयरपोर्ट डाइवर्ट

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। नेपाल के काठमांडू में सोमवार सुबह अचानक खराब हुए मौसम का असर विमान सेवाओं पर पड़ा। मौसम खराब होने के कारण काठमांडू जाने वाली दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर डायवर्ट कर सुरक्षित उतारा गया। इसमें से एक विमान 6:27 बजे, जबकि दूसरा विमान 7:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक जजीरा एयरवेज की उड़ान (जे91539) कुवैत से रात 10:15 बजे रवाना होकर सुबह करीब 6:30 बजे काठमांडू पहुंचती है। लेकिन सोमवार सुबह काठमांडू का मौसम अचानक खराब हो जाने के कारण काठमांडू पहुंचे इस विमान को लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली। विमान काफी देर तक त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के ऊपर चक्कर काटता रहा। इसके बाद विमान को लखनऊ के लिए डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान सुबह 6:27 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा। इसी तरह एयर इंडिया की उड़ान (एआई215) दिल्ली से तड़के 4:30 बजे रवाना होकर सुबह करीब 6:35 बजे काठमांडू पहुंचती है। लेकिन सोमवार को काठमांडू पहुंचने पर एटीसी से लैंडिंग की अनुमति न मिलने पर विमान काफी देर तक काठमांडू एयरपोर्ट के ऊपर चक्कर काटता रहा। बाद में इसे भी लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। यह विमान सुबह 7:50 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचा। सूत्रों ने बताया कि दोनों विमान काफी देर तक लखनऊ एयरपोर्ट पर खड़े रहे। बाद में काठमांडू का मौसम सही होने पर जजीरा एयरवेज की उड़ान को सुबह 8:33 बजे, जबकि एयर इंडिया की उड़ान को सुबह 9:08 बजे लखनऊ से काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया।

'धर्म बदलो, नहीं तो जान दे दो' युवती का आरोप, तीन पर मुकदमा दर्ज

युवती का आरोप—जबरन सिंदूर भरा, फोटो खींची और कलमा पढ़वाया

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र के निवासी युवती ने एक युवक पर पीछा करने, आपत्तिजनक फोटो खींचकर ब्लैकमेल करने, जबरन शारीरिक संबंध बनाने और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। युवती ने 23 सितंबर को मलिहाबाद थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के मुताबिक वर्ष 2020/21 में जब वह करीब 17 वर्ष की थी और कक्षा 11 की छात्रा थी, तभी से आरोपी शाहनवाज स्कूल आते-जाते उसका पीछा कर परेशान करता था। लोकलाज और डर के कारण उसने करीब सात साल तक यह बात अपने परिवार के लोगों को नहीं बताई।

आरोप है कि जनवरी 2021 में आरोपी ने उसे घर के बाहर अकेला देखकर उसकी मांग में सिंदूर भर दिया और उसकी फोटो खींच ली। विरोध करने पर फोटो वायरल करने और जान से मारने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल किया गया। पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने उसे घर में अकेला पाकर जबरन शारीरिक संबंध बनाए और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने लगा।

पीड़िता के अनुसार आरोपी ने उसे हिंदू देवी-देवताओं की पूजा बंद करने और बुर्का-नकाब पहनने के लिए धमकाया। आरोप है कि जबरन उससे कलमा पढ़वाया गया और कहा गया कि उसे हिंदू धर्म छोड़कर इस्लाम धर्म अपनाना होगा। मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न से परेशान होकर जब युवती ने आरोपी के परिजनों से शिकायत की तो आरोप है कि आरोपी और उसके भाई सीरज व शाहरुख घर पर पहुंचे और जातिसूचक गालियां देते हुए धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक आरोपियों ने कहा कि मौलाना को अभी लेकर आता हूं, तुम धर्म परिवर्तन कर लो, नहीं तो अपनी जान दे दो। आरोप है कि परिवार को भी गायब करने की धमकी दी गई।

मलिहाबाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जालसाजों ने ग्रीन गैस का बिल जमा करने के नाम पर खाते से 4.31 लाख रुपये किया पार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर में बीते दिनों ग्रीन गैस पाइपलाइन का बिल जमा करने के नाम पर साइबर जालसाजों ने एक व्यक्ति के खाते से 4.31 लाख रुपये उड़ा दिए। खुद के साथ जालसाजी होने की भनक लगने पर पीड़ित ने सरोजनीनगर थाने में मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सरोजनीनगर के सेक्टर - ओ विस्तार, मानसरोवर कॉलोनी एलडीए निवासी हरिप्रसाद यादव के मुताबिक 21 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे मोबाइल 8287636684 से उसके मोबाइल पर एक मैसेज आया। जिसमें ग्रीन गैस पाइप का बिल बकाया होने और भुगतान नहीं करने पर गैस लाइन बंद किए जाने की बात कही गई। मैसेज में दिए गये नंबर पर संपर्क करने पर संदीप मिश्रा नाम के व्यक्ति ने बात की और दोपहर करीब 12:19 बजे दूसरे नंबर 9101504684 से फोन आया। तब जालसाज ने डेबिट कार्ड से भुगतान करने को कहा। हरिप्रसाद का कहना है कि दूसरी तरफ से बात करने वाले ने पहले तो 13 रुपये जमा करने को कहा, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। इसके बाद अलग-अलग चार ट्रांजेक्शन में 1.99 लाख, 1.34 लाख, 68,823 और 30,125.32 रुपये कट गए। इस प्रकार खाते से कुल 4,31,948.32 रुपये निकल गये। बाद में जब पीड़ित को जानकारी हुई तो उसने बैंक को सूचना देकर अपना खाता बंद कराया। फिलहाल पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मोबाइल नंबर के आधार पर जालसाजों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

चार फीट पानी में डूबी पुलिया, दो गांवों की बिजली गुल

बेहता नाला उफनाने से शाही खेड़ा में बढ़ी मुश्किलें, ट्रांसफार्मर और डीटी मीटर पर भी मंडराया खतरा

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। रहीमाबाद क्षेत्र के झाऊबेरिया गांव में बेहता नाला एक बार फिर उफना गया। लगातार हो रही बारिश के बाद सोमवार को नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। गांव के मुख्य रास्ते की पुलिया पर सुबह से करीब चार फीट पानी भर गया। इससे झाऊबेरिया समेत आसपास के कई गांवों का आवागमन प्रभावित है। लोग नाव के सहारे पुलिया पारकर दैनिक कार्यों के लिए जाते हैं, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ध्रुव कुमार ने बताया कि बेहता नाला उफनाने के कारण गांव में जलभराव की समस्या अक्सर बनी रहती है। सोमवार को जलस्तर बढ़ने से पानी गांव के कई घरों तक पहुंच गया। शाम तक पानी का बहाव शाही खेड़ा गांव की ओर भी बढ़ गया। गांव के किनारे दो पोलों पर लगे ट्रांसफार्मर और डीटी मीटर के आसपास पानी भर जाने से विद्युत उपकरणों पर भी खतरा मंडराने लगा। झाऊबेरिया गांव को इसी स्थान से 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन के जरिए बिजली आपूर्ति होती है। जलभराव और विद्युत उपकरणों की सुरक्षा को देखते हुए सोमवार शाम करीब 6:30 बजे झाऊबेरिया और शाही खेड़ा की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। इससे दोनों गांवों की करीब 1500 आबादी अंधेरे में रहने को मजबूर है। ग्रामीणों का कहना है कि हर बार बारिश में यही समस्या खड़ी हो जाती है। लोगों ने प्रशासन से जलभराव का स्थायी समाधान कराने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के बाद बिजली आपूर्ति जल्द बहाल कराने की मांग की है।

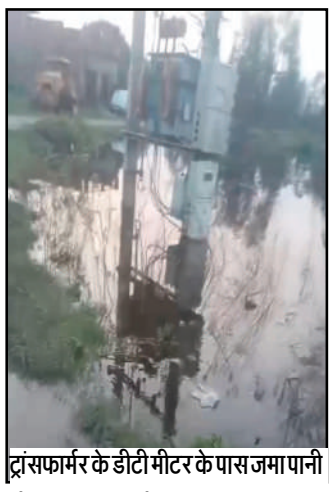

ट्रांसफार्मर के डीटी मीटर के पास जमा पानी

योगी के मुख्यमंत्री बनते ही रूल ऑफ लॉ लागू: मंत्री सुरेश खन्ना

- 50-50 वर्षों से ठंडी पड़ी योजनाओं को मिली रफ्तार

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। ग्रेटर नोएडा उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि 2017 के बाद प्रदेश में बड़ा बदलाव आया है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के साथ ही प्रदेश में रूल ऑफ लॉ लागू हुआ और कानून-व्यवस्था बेहतर होने से पूरा परिदृश्य 360 डिग्री बदल गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने रिफॉर्म, परफॉर्म एंड ट्रांसफॉर्म के मंत्र पर काम करते हुए कृषि, उद्योग, सर्विस सेक्टर और वित्तीय प्रबंधन में सुधार किया है।

फ्रॉम फाइनेंशियल डिसिप्लिन टू ट्रांसपेरेंट सर्विस डिलीवरी कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को कभी विकास के पैमाने पर पिछड़े राज्यों में गिना जाता था, लेकिन आज प्रदेश देश की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि राज्य की जीएसडीपी में बढ़ोतरी के साथ कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में भी प्रगति हुई है। खन्ना ने कहा कि सरकार

ने 50-50 वर्षों से ठंडी पड़ी योजनाओं पर काम किया। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ और इसका बड़ा असर बुंदेलखंड में दिखाई दे रहा है। जहां कभी पीने के पानी तक का संकट था, वहां अब खेती की स्थिति बदली है और तीन-तीन फसलें तक हो रही हैं। उन्होंने इसका श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दिया।

वित्त मंत्री ने कहा कि किसानों की उपज की खरीद से पैसा सीधे उनकी जेब तक पहुंचा, जिससे उनकी क्रय शक्ति बढ़ी और अर्थव्यवस्था को भी गति मिली। किसान क्रेडिट कार्ड का बड़े पैमाने पर वितरण किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार की सहायता से पात्र लोगों को छह लाख रुपये तक का कर्ज छह प्रतिशत ब्याज पर उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश बढ़ा है और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के जरिए बड़े निवेश को धरातल पर उतारा गया। मैन्युफैक्चरिंग के साथ सर्विस और पर्यटन क्षेत्र में भी विस्तार हुआ है। सरकार ने गैर-जरूरी खर्च रोककर वित्तीय प्रबंधन को बेहतर करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री ने हाल में विभागों को बजट के समयबद्ध इस्तेमाल और वित्तीय स्वीकृतियों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए हैं। रोजगार का जिक्र करते हुए सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक लाख और सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। साइबर अपराध पर सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ने के साथ साइबर फ्रॉड से बचाव की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

एसपी साइबर क्राइम राजेश यादव ने साइबर अपराध की चुनौतियों और उनसे बचाव के तरीके बताए। पहले एक घंटे के भीतर शिकायत करने से रकम को होल्ड या फ्रीज कराने की संभावना काफी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में साइबर अपराध से निपटने के लिए प्रदेश में मजबूत व्यवस्था की गई है।

ग्रामीण व कमजोर वर्ग तक बीमा की पहुंच बढ़ाना जरूरी

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि बीमा की पहुंच ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग तक बढ़ाना जरूरी है। बीमारी, दुर्घटना अथवा किसी अन्य विपरीत परिस्थिति में सबसे अधिक आर्थिक दबाव कमजोर परिवारों पर पड़ता है। ऐसे में बीमा आर्थिक सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है।

वित्त मंत्री यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में आयोजित ह्यवित्तीय समावेशन-बीमा जरूरी है॥ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शहरी और सक्षम वर्ग में बीमा को लेकर जागरूकता बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में अभी व्यापक प्रचार-प्रसार की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने से उनका लाभ बढ़ाया जा सकता है। खन्ना ने बीमा कंपनियों और एजेंटों से कहा कि उनकी जिम्मेदारी केवल पॉलिसी बेचने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। बीमाधारक को प्रीमियम, नवीनीकरण, पॉलिसी की शर्तों और क्लेम प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय स्तर पर लोगों से सीधे जुड़े व्यक्तियों के माध्यम से भी बीमा जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस को लेकर भी जागरूकता बढ़ाने की जरूरत बताई। कहा कि दुर्घटना की स्थिति में तीसरे पक्ष को हुए नुकसान के कारण वाहन मालिक पर आर्थिक बोझ को कम करने में यह महत्वपूर्ण है। वित्त मंत्री ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के बारे में कहा कि पहले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता था।

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में शहीद भगत सिंह की जयंती मनायी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के महान क्रांतिकारी अमर शहीद भगत सिंह की 119वीं जयंती सोमवार को कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस मौके पर वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अजय राय ने कहा कि अमर शहीद भगत सिंह का बलिदान और उनके विचार देश की युवा पीढ़ी के लिए हमेशा प्रेरणापुंज रहेंगे। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनके भीतर देशभक्ति का जो जज्बा और वैचारिक स्पष्टता थी, उसने पूरे देश में क्रांति की अलख जगाई थी। आज के दौर में उनके सिद्धांतों और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को याद रखना और उस पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्याम किशोर शुक्ल, पूर्व एमएलसी राम गोपाल मिश्रा, प्रदेश कांग्रेस के ज्वाइनिंग प्रभारी नितिन शर्मा, शिक्षक प्रकोष्ठ के चेयरमैन अमित राय, सर्वेश श्रीवास्तव, मुन्ना लाल भारती आदि तमाम वरिष्ठ नेतागणों ने अमर शहीद भगत सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

17,519 आंगनवाड़ी केंद्रों को मिलेंगी आधुनिक खेल सुविधाएं

- स्लाइड, सी-सॉ, झूले, राउंड अबाउट और रॉकिंग बोट से खेल-खेल में सीखेंगे बच्चे

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रदेश के नौनिहालों के भविष्य की नींव को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। अब आंगनवाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में बच्चों के लिए खेल, सीखने और शारीरिक विकास का आधुनिक वातावरण तैयार होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 40 जनपदों के 17,519 को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों/ बालवाटिकाओं में आधुनिक आउटडोर प्ले मैटेरियल स्थापित करने के लिए 87.60 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसकी खरीद जेम पोर्टल से पारदर्शी तरीके से होगी। इतना ही नहीं, इसके लिए जिला स्तर की क्रय समिति से लेकर ब्लॉक स्तरीय टास्क फोर्स तक निगरानी का मजबूत तंत्र होगा।

स्लाइड, सी-सॉ, झूले, राउंड अबाउट और रॉकिंग बोट जैसे

उपकरण नौनिहालों को खेल के साथ गतिविधि आधारित सीखने से जोड़ेंगे। यह कदम प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को अधिक गतिविधि-आधारित, आनंददायक और बाल-केंद्रित बनाने के साथ बच्चों के शारीरिक विकास और सक्रियता को बढ़ावा देगा।

योगी सरकार का मानना है कि बच्चों के भविष्य की नींव जितनी मजबूत होगी, उत्तर प्रदेश का भविष्य उतना ही सशक्त होगा। इस व्यापक पहल के अन्तर्गत 40 जनपदों के 17,519 को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्रों/ बालवाटिकाओं में पांच प्रकार के आधुनिक आउटडोर खेल उपकरण लगाए जाएंगे। इनमें स्लाइड, सी-सॉ, स्विग, राउंड अबाउट (स्टैंडिंग एमजीआर) और रॉकिंग बोट (टू सीटर) शामिल हैं। इन उपकरणों के माध्यम से बच्चों को विभिन्न प्रकार की शारीरिक गतिविधियों से जोड़ने के साथ उनके लिए आकर्षक और आनंददायक खेल वातावरण तैयार किया जाएगा। सरकार का प्रयास है कि बालवाटिका में सीखना बच्चों के लिए बोझ नहीं, बल्कि खेल और अनुभव से जुड़ा सहज अवसर बने।

योगी सरकार का जोर बच्चों के शुरूआती वर्षों को मजबूत बनाने पर है। सरकार की दृष्टि में बाल्यावस्था केवल देखभाल का चरण नहीं, बल्कि बच्चे के व्यक्तित्व और क्षमताओं की नींव रखने का निर्णायक समय है। इसी सोच के साथ आंगनवाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं में ऐसे संसाधन विकसित किए जा रहे हैं, जहां बच्चे खेलते हुए सीखें, सक्रिय रहते हुए विकसित हों और गतिविधियों के माध्यम से अपनी क्षमताओं को निखारें। आउटडोर प्ले मैटेरियल उपलब्ध होने से बच्चों को खुले वातावरण में नियमित शारीरिक गतिविधियों के अवसर मिलेंगे और बालवाटिका का वातावरण अधिक जीवंत एवं सीखने के अनुकूल बनेगा। प्ले मैटेरियल के निर्माण, पेंटिंग, प्ले एरिया और स्थापना के लिए निर्धारित गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य होगा। प्रत्येक उपकरण पर कम से कम तीन वर्ष की वारंटी सुनिश्चित की जाएगी।

संदीप सिंह, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा ने कहा कि सरकार आंगनवाड़ी केंद्रों और बालवाटिकाओं को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए बच्चों के लिए ऐसा वातावरण तैयार कर रही है, जहां खेल, गतिविधि और सीखना एक-दूसरे के पूरक बनें। मोनिका रानी, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा ने कहा कि 17,519 आंगनवाड़ी केंद्रों में आधुनिक आउटडोर प्ले मैटेरियल की स्थापना से बच्चों को खेल और गतिविधियों के माध्यम से सीखने का बेहतर अवसर मिलेगा।

स्नातक व शिक्षक चुनाव के लिए अधिसूचना जारी

- विधान परिषद के 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव का कार्यक्रम घोषित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के खंड स्नातक के 05 और खंड शिक्षक के 06 निर्वाचन क्षेत्रों से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल आगामी 06 दिसंबर, 2026 को समाप्त हो रहा है। इसके कारण रिक्त होने वाली सीटों को भरने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार, निर्वाचन संबंधी आधिकारिक अधिसूचना 29 सितंबर, 2026 को जारी की जाएगी।

कार्यकाल समाप्त होने वाले सदस्यों में लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ तथा इलाहाबाद-झांसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के साथ-साथ लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं। इन चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया लखनऊ, मेरठ, आगरा, वाराणसी, बरेली, झांसी और गोरखपुर में संपन्न होगी। निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्तों और रिटर्निंग अधिकारियों को नामांकन प्रक्रिया, प्रपत्र 2बी, प्रपत्र 26 और शपथ पत्र आदि के संबंध में विधिवत प्रशिक्षण दिया है। विधान परिषद चुनावों के लिए नामांकन पत्र प्रपत्र '2बी' में दाखिल किया जाता है। इन चुनावों के लिए सामान्य उम्मीदवारों की जमानत राशि 10,000 रुपये और एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए 5,000 रुपये निर्धारित है।

इंडिया एनर्जी वीक वापस लायेगा बंगाल में पुनर्जागरण : हरदीप सिंह पुरी

- इंडिया एनर्जी वीक 2027 का कर्टन रेजर कोलकाता में आयोजित

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। देश के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडिया एनर्जी वीक - 2027 के कर्टन रेजर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इंडिया एनर्जी वीक 2027 का आयोजन 28 से 31 जनवरी तक कोलकाता में किया जाएगा। इस अवसर पर श्री पुरी ने कहा कि वर्ष 2023 में अपनी शुरूआत के बाद से इंडिया एनर्जी वीक एक प्रमुख वैश्विक ऊर्जा मंच के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी भारत में उथल-पुथल के बावजूद भारत ने संकट का सामना करते हुए परिस्थितियों को संभाला और कीमतों को नियंत्रित एवं स्थिर रखा। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया एनर्जी वीक बंगाल में पुनर्जागरण को वापस लाएगा। उन्होंने कहा कि केवल चार वर्षों की छोटी अवधि में यह एक वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त आयोजन बन गया है। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बंगाल से सोमवार की शाम एकेटीयू के सभागार में दिखाया गया, जहां इंडियन ऑयल के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

कार्यक्रम में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि उक्त मुहिम प्रधानमंत्री के उस दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें उद्यमियों, नवोन्मेषकों और उभरते हुए प्रतिभागियों की ऊर्जा के भविष्य को आकार देने में अधिक महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करने पर बल दिया गया है। इस दृष्टि से कोलकाता संस्करण भारत की ऊर्जा विकास यात्रा के अगले चरण का प्रतीक होगा। यह केवल ऐसा मंच नहीं होगा, जहाँ भारत वैश्विक ऊर्जा संवाद में भाग लेता है, बल्कि ऐसा मंच होगा जहाँ भारत इन संवादों की दिशा तय करने में भी अपनी बढ़ती भूमिका निभाएगा।

श्री पुरी ने कहा कि वर्ष 2027 भारत के बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम, इंजीनियरिंग क्षमताओं और नवाचार की संभावनाओं को भी प्रदर्शित करेगा। यहां कार्यक्रम में इंडियनऑयल के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने लखनऊ से भाग लिया। उनके साथ इंडियनऑयल के कार्यकारी निदेशक व राज्य प्रमुख, उप्र राज्य कार्यालय-1 संजय भंडारी और एकेटीयू के कुलपति प्रो. जय प्रकाश पांडेय उपस्थित रहे।

इंडियनऑयल का उप्र में व्यापक नेटवर्क: अनुज जैन

इंडियनऑयल के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने कहा कि इंडिया एनर्जी वीक ने नीति-निमार्ताओं, उद्योग जगत के नेताओं, निवेशकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, नवोन्मेषकों और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाकर ऊर्जा के भविष्य पर सार्थक संवाद को बढ़ावा दिया है। इंडिया एनर्जी वीक का पाँचवाँ संस्करण न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर, कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन में 75,000 से अधिक ऊर्जा पेशेवरों और 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शकों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान हाइड्रोजन, जैव ईंधन, एलएनजी, डिजिटलीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल्स तथा नेट-जीरो की दिशा में आगे बढ़ने के विभिन्न मार्गों सहित ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इंडियनऑयल का व्यापक नेटवर्क 13 एलपीजी संयंत्रों, 11 एविएशन फ्यूल स्टेशनों, 650+ किलोमीटर लंबी पाइपलाइनों और 6,349 रिटेल आउटलेट्स से बना है। यह नेटवर्क राज्य भर में घरेलू उपभोक्ताओं, उद्योग, रेलवे, रक्षा प्रतिष्ठानों और विद्युत संयंत्रों की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करता है।

रालोद छात्रसभा का आरएलडी कैंपस कनेक्ट अभियान शुरू

लखनऊ। रालोद छात्रसभा ने सोमवार से प्रदेशभर में आरएलडी कैंपस कनेक्ट नाम से एक व्यापक प्रदेशव्यापी अभियान की शुरूआत की जा रही है। अभियान के शुभारंभ के अवसर पर सर्वप्रथम महान क्रांतिकारी शहीद-एआज म भगत सिंह की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद आरएलडी कैंपस कनेक्ट अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलो के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों और युवाओं से सीधा संवाद स्थापित किया जाएगा तथा शिक्षा, रोजगार, खेल, स्वास्थ्य, नशा-मुक्ति और युवाओं की सामाजिक एवं लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर कार्यक्रम किए जाएंगे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते हैं :

क्र.सं. : 1, **ई-प्रापण निविदा संख्या** : उप मु.इं.-नि.-सा.-जीकेपी-07-2026 दिनांक : 22.10.2026, **कार्य का नाम** : खलीलाबाद-बहराइच नई बी.जी. रेल लाइन परियोजना के तहत मेहदावल (छोड़कर) से खेसराहा (छोड़कर) सेक्शन के बीच मिट्टी, फॉर्मेशन, ब्लैंकेटिंग का कार्य और छोटे पुल सं. 40, 44, 46, 53 और 60 के शेष निर्माण कार्य, **अनुमानित निविदा मूल्य** : रु. 81,38,02,081.72, **बयाना राशि** : रु. 1,62,76,100.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. -, **कार्य पूर्ण करने की अवधि** : 12 (बारह) माह।

• बिड प्रारम्भ करने की तिथि - **दिनांक 08.10.2026** • उपरोक्त ई-निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि - **दिनांक 22.10.2026, 15.00 बजे तक।** • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - **दिनांक 22.10.2026, 15.00 बजे।** • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य इंजी./निर्माण/सामान्य, मुजाधि/डब्ल्यू-359 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

संक्षेप

रेलिंग में उतरे विद्युत करंट की चपेट से महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के घूरामऊ गांव निवासी वासुदेव की 25 वर्षीय पत्नी नैंसी यादव रविवार देर शाम कपड़े धुलकर रेलिंग पर सूखने के लिए डाल रही थी तभी रेलिंग में उतरे करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई परिजन जब तक अस्पताल ले जाते तब तक उसकी मौत हो गई। मृतका की 2 वर्ष पूर्व ही शादी हुई थी। जिसके 1 वर्ष का पुत्र मयंक है। घटना की जानकारी पर लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र दोनों गांव निवासी मायके पक्ष से चाचा महादेव ने थाने में तहरीर देकर पीएम कराने की मांग की है।कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि करेंट लगने से महिला की मौत हुई है मायके पक्ष से चाचा की तहरीर पर पीएम के लिए शव भेजा गया है।

बारिश बनी काल, जर्जर दीवार गिरने से बुजुर्ग की दबकर मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश कहर बनकर टूटी है। उनवां गांव में एक जर्जर मकान की दीवार गिरने से 70 वर्षीय बुजुर्ग की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान रामेश्वर पुत्र जुगनू के रूप में हुई है। रामेश्वर अपने पुराने जर्जर मकान में अकेले रह रहे थे। बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों से हो रही लगातार मूसलाधार बारिश के कारण मकान की दीवारें पूरी तरह से गीली हो गई थीं। रविवार की रात अचानक दीवार भरभराकर गिर गई, जिसके मलबे में रामेश्वर दब गए। चीख-पुकार की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबा हटाकर बुजुर्ग को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही सफीपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।कोतवाल संदीप मिश्रा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के एक पुत्र रामचंद्र मौर्य और दो बेटियां ऊषा व उमा हैं, जिनकी शादी हो चुकी है। वहीं क्षेत्रीय लेखपाल ने बताया कि घटना की रिपोर्ट तहसील प्रशासन को भेज दी गई है, ताकि पीड़ित परिवार को सरकारी मुआवजा मिल सके।

पेड़ की डाल पर लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी उन्नाव। थाना क्षेत्र के गाँव लवानी के मजरा पापरि निवासी एक व्यक्ति का शव पास के एक बाग में एक पेड़ से लटका मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गाँव निवासी कमलेश उर्फ अमरु का शव पेड़ से लटका ग्रामीणों ने देखा तो हड़कंप मच गया। कमलेश मेहनत मजदूरी करके जीवन यापन करता था।ग्रामीणों के अनुसार आर्थिक तंगी के कारण वह परेशान रहता था। परिजनों ने घटना के कारण से अनभिज्ञता जताई है।

संवैधानिक संस्थाओं पर झूठे आरोप लगा रही कांग्रेसः जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने कांग्रेस और विपक्षी इंडी गठबंधन पर तीखा राजनीतिक प्रहार किया। उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही चुनावी हार से हताश और बौखलाई कांग्रेस अपनी राजनीतिक व संगठनात्मक नाकामियों को छिपाने के लिए बार-बार देश की संवैधानिक और लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। कांग्रेस नेतृत्व भली-भांति जान चुका है कि वह संवैधानिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए जनता का विश्वास दोबारा हासिल नहीं कर सकता, इसलिए पूरे सिस्टम पर अनर्गल आरोप लगाकर भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में जारी सर्वसम्मत प्रेस वक्तव्य ने विपक्ष के मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण प्रोपेगेंडा की पूरी तरह हवा निकाल दी है।

शकुन सिंह ने विस्तृत तथ्य सामने रखते हुए बताया कि मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों–डॉ. एस. एस. संधू एवं श्री विवेक जोशी–की बैठक के उपरांत जारी संयुक्त बयान से दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। देशभर में संचालित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) सहित सभी महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय, 24 जून 2025 का मूल आदेश और 12 व 19 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के विभिन्न चरणों की समय-सारणी पूरे आयोग की सर्वसम्मति से तय किए गए हैं। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी 27 मई 2026 को इस पूरी प्रक्रिया को कानूनी रूप से पूर्णतः वैध ठहराया है। कैबिनेट सेक्रेटरी को भेजे गए जिस तथाकथित पत्र को लेकर विपक्ष भ्रम फैला रहा था, आयोग ने साफ कर दिया है कि वह किसी नीति या आईटी प्रभाग से संबंधित नहीं था, बल्कि प्रतिनियुक्ति (डेपुटेशन) पर आए एक अधिकारी की प्रशासनिक कार्यप्रणाली तक सीमित आंतरिक मामला था। एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित तथ्यहीन व काल्पनिक कहानी को आधार बनाकर स्वतंत्र चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा करने की विपक्ष की साजिश पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है।उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष द्वारा फॉर्म-6 को लेकर भी जनता के बीच भ्रांतियां फैलाने का निरंतर षड्यंत्र रचा जा रहा था, जबकि वास्तविकता यह है कि एसआईआर से संबंधित घोषणापत्र को माननीय सुप्रीम कोर्ट पहले ही वैध ठहरा चुका है और गैर-एसआईआर अवधि के लिए निर्वाचन पंजीयन नियम 1960 के तहत पूर्ववत फॉर्म ही प्रभावी है। इसके विपरीत, चुनाव आयोग रैन बसेरों, मजदूरों और बेघरों के लिए विशेष कैंप लगाकर तथा बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म एकत्र कराके प्रत्येक पात्र नागरिक को मताधिकार देने के लिए पूर्णतः कटिबद्ध होकर कार्य कर रहा है। शकुन सिंह ने राहुल गांधी और कांग्रेस के आचरण को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि संवैधानिक संस्थाओं और देश के मान-सम्मान को चोट पहुंचाना इनकी पुरानी कार्यशैली रही है। लोकसभा चुनाव 2024 के समय से ही राहुल गांधी द्वारा तकनीकी रूप से सुरक्षित और पारदर्शी ईवीएम को 'ब्लैक बॉक्स' बताना, चुनाव आयोग को सत्ता की कठपुतली कहना और हारते ही संस्थाओं पर कीचड़ उछालना इनकी हताशा का प्रमाण है। उन्होंने याद दिलाया कि राफेल मामले में 'चौकीदार चोर है' का झूठा दावा करने पर राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी थी। विदेशी दौरों पर कैम्ब्रिज और अमेरिका के मंचों से भारतीय न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की संप्रभुता को ठेस पहुंचाना, सीएजी की निष्पक्ष रिपोर्ट को नकारते हुए उसका उपहास उड़ाना, सेना के शौर्य पर सवाल उठाते हुए सर्जिकल स्ट्राइक को 'खून की दलाली' कहना, बालाकोट एयर स्ट्राइक के सबूत मांगना तथा तवांग में भारतीय जवानों के पराक्रम पर 'पिटाई' जैसे अशोभनीय शब्दों का प्रयोग करना इनकी विभाजनकारी सोच को उजागर करता है। अंत में उन्होंने मांग की कि कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए निशाना बनाना तुरंत बंद करें और इस कुत्सित व भ्रामक दुष्प्रचार के लिए देश की जनता से बिना शर्त माफी मांगें।पत्रकार वर्ता में मौजूद रहे भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी जिला मीडिया प्रभारी समीर शुक्ला भूमि विकास बैंक अध्यक्ष संजीव त्रिवेदी उपस्थित रहे।

किशोरी ने फांसी लगाकर दी अपनी जान परिजनों में मचा कोहराम

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के बम्हना गांव में सोमवार दोपहर सनसनी फैल गई। यहां 16 साल की एक किशोरी का शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।सूचना पर कोतवाल संदीप मिश्रा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटना स्थल का जायजा लिया और परिजनों से पूछताछ की। पुलिस ने कमरे से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं।मृतका की पहचान चाहत (16) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी मां सुधा के साथ अपने मामा सुधीर के यहां रहती थी। परिजनों के अनुसार चाहत के माता-पिता के बीच तलाक का मुकदमा चल रहा है, जिसके कारण वह मानसिक तनाव में थी। उसने कक्षा 8 तक पढ़ाई की थी।पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतरवाकर कब्जे में ले लिया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का लग रहा है। पुलिस पारिवारिक कलह समेत सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।कोतवाली प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मौत का असली कारण पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

टुल्लू पंप में उतरे विद्युत करंट की चपेट से महिला की मौत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के मखदूम नगर गांव में सोमवार सुबह हैंडपंप में लगे टुल्लू पंप में करंट उतरने से महिला गंभीर रूप से झुलस गई। परिजन उसे आनन-फानन सफीपुर सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

कोतवाली के मखदूम नगर गांव निवासी सहोदरा (55) पत्नी रामभजन सोमवार सुबह घरेलू कामकाज में व्यस्त थीं। इसी दौरान वह घर में लगे हैंडपंप से पानी भरने गई थीं। पानी भरते समय टुल्लू पंप में अचानक करंट उतर आया, जिसकी चपेट में आकर वह गंभीर रूप से झुलस गईं। महिला को करंट की चपेट में आया देखकर परिजनों ने किसी तरह उन्हें छुड़ाया और सीएचसी सफीपुर लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।मृतका के पति रामभजन ने बताया कि घटना के समय वह कानपुर गए हुए थे। उनके तीन पुत्र सुखबीर, हरिओम और रघुबीर तथा तीन पुत्रियां मीरा, गीता और सीता हैं।रघुबीर को छोड़कर सभी बच्चों का विवाह हो चुका है।मौत से सभी का रो रोकर बुरा हाल है।

कोतवाल संदीप मिश्रा ने बताया कि परिजनों की सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भरभराकर ढहा गरीब का आशियाना, खुले आसमान के नीचे आया परिवार

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश अब गरीबों के लिए आफत साबित होने लगी है। तहसील क्षेत्र के ग्राम नसीरपुर में बारिश के चलते एक गरीब परिवार का मकान भरभरा कर ढह गया। गनीमत यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन मकान गिरने से परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है। मलबे में दबकर गृहस्थी का सारा सामान नष्ट हो गया है, जिससे पीड़ित परिवार के सामने गुजर-बसर और भोजन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

जानकारी के अनुसार, नसीरपुर निवासी राम बाबू पुत्र पुत्तीलाल बेहद गरीब हैं। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण उनके मकान की दीवारें सीलन खा गई थीं और अचानक पूरा मकान ढह गया। हादसे में घर के अंदर रखा अनाज, बिस्तर और अन्य जरूरी सामान मलबे में दबकर पूरी तरह से बर्बाद हो गया है। अब बेघर हुए इस परिवार के पास न तो सिर छिपाने का कोई ठिकाना बचा है और न ही दो वक्त की रोटी का इंतजाम रह गया है।

प्रशासन से लगाई मुआवजे की गुहार

अचानक आई इस विपदा से राम बाबू का परिवार गहरे सदमे में है। पीड़ित परिवार ने तहसील प्रशासन और उच्चाधिकारियों से मदद की गुहार लगाई है। पीड़ित ने मांग की है कि मौके पर राजस्व टीम भेजकर नुकसान का सर्वे कराया जाए और जल्द से जल्द उचित आर्थिक सहायता (मुआवजा) प्रदान की जाए ताकि वे अपना जीवन यापन कर सकें। वहीं, मौके पर जुटे ग्रामीणों ने भी स्थानीय प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल फौरी राहत और अहेतुक सहायता उपलब्ध कराने की मांग उठाई है।

लगने के लिए आए लेख पत्थर बने शोपीस

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में लगने के लिए आए लोकार्पण लेख पत्थर बंद कमरों में शो पीस बने रखे धूल फांक रहे है। ग्राम पंचायतों में लगने के बजाए बंद कमरे में कचरे के ढेर में रखे हुए हैं।

बिछिया विकास खण्ड परिसर में हुए लोकार्पण कार्यक्रम में लोकार्पण सम्पन्न होने के बाद लेख पत्थर कुछ तो ग्राम पंचायतों में चले गए लेकिन काफी संख्या में आज भी ब्लॉक परिसर के बंद कमरों में रखे धूल फांक रहे हैं। कुछ तो कूड़े कचरे के ढेरों पर रखे हैं।लोकार्पण कार्यक्रम में सांसद, क्षेत्रीय विधायक व अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ था। लाखों, करोड़ो की लागत से ग्राम पंचायतों में हुए विकास कार्य लोकार्पण पत्थर सिर्फ कागजी जानकारी पर ही मौजूद हैं बल्कि विकास कार्यों के स्थलों पर आज भी नही लगे हैं। हालांकि लगने वाले पत्थर आज भी लोकार्पण स्थल ब्लॉक परिसर में ही बंद कमरों में रखे धूल फांक रहे हैं। साथ ही कूड़े कचरे के ढेर पर रखे हुए हैं। हालांकि जिम्मेदार अधिकारियों के मुताबिक लोकार्पण पत्थर ग्राम पंचायतों में अब तक लग जाने का दावा किया जा रहा है। जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

बीडीओ फहद खान ने बताया कि अब तक तो पत्थर लग गए होंगे यदि रखे हैं तो सम्बंधित ग्राम सचिव से जानकारी की जाएगी। प्रमुख प्रशासक नीरज गुप्ता ने बताया बीडीओ से इस प्रकरण में जानकारी कर जिम्मेदार से जवाब मांगा जाएगा।

बारिश के बीच सैकड़ों साल पुराना ऐतिहासिक गेट गिरा,मची अफरा-तफरी

अमन लेखनी समाचार

मौरावां, उन्नाव। लगातार तीन दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बीच सोमवार को चंदनगंज बाजार का मुख्य प्रवेश द्वार भरभराकर गिर गया। करीब 200 साल पुराने इस ऐतिहासिक गेट का बड़ा हिस्सा गिरने से मौके पर हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि हादसे के समय वहां भीड़ नहीं थी, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई।

सूचना मिलते ही प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। खतरे को देखते हुए गेट के दोनों तरफ करीब 5-5 मीटर के दायरे में बैरिकेडिंग करा दी गई और एहतियातन आसपास की दुकानों को बंद करा दिया गया

स्थानीय लोगों के अनुसार चंदनगंज बाजार की स्थापना 19वीं सदी में सेठ चंदन लाल खत्री ने कराई थी। तभी से यह प्रवेश द्वार मौरावां की ऐतिहासिक पहचान बना हुआ है। बताया जाता है कि वर्तमान में नगर पंचायत अध्यक्ष कुंवर विवेक सेठ उन्हीं के वंशज हैं। हालांकि बाजार और गेट के निर्माण का पूरा सरकारी रिकॉर्ड स्पष्ट नहीं है, लेकिन स्थानीय स्तर पर इसकी ऐतिहासिक मान्यता बनी हुई है।

मौके पर नायब तहसीलदार कृष्ण नंद बाजपेई, भारत सिंह, लेखपाल प्रशांत पांडेय और नगर पंचायत लिपिक मधुकर द्विवेदी ने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। बचे हुए जर्जर ढांचे से किसी और हादसे की आशंका को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई।

वहीं गेट की उम्र को लेकर लोगों में अलग-अलग बातें हैं। कुछ लोग इसे हजारों साल पुराना बता रहे हैं, तो कुछ बुजुर्गों के हवाले से कहते हैं कि इसे करीब सैकड़ों साल पुराना है हमे और हमारे पूवर्ज कहते है की यह गेट कब बना है वही कुछ लोगों कहना है कि यह गेट राजा मौरजध्वज के जमाने का है स्थानीय निवासी अमरेंद्र मिश्र उर्फ गुरु जी ने बताया कि उनके पिताजी भी कहते थे कि उन्हें याद नहीं गेट कब का है, यह बहुत पुराना है।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने किया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। नवागत खंड शिक्षा अधिकारी शुचि गुप्ता का शिक्षको ने बीआरसी अटवा पर स्वागत किया इस अवसर पर नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि सभी शिक्षको के सहयोग से ब्लॉक को जनपद मे अग्रणी बनाना है प्रत्येक विद्यालय को निपुण बनाने का लक्ष्य है विद्यालयों का सर्वांगीण विकास किया जाएगा किसी भी शिक्षक को कोई भी समस्या होने पर सीधे संपर्क करें सभी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा इस अवसर पर नवागत खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा बीआरसी परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया सत्य प्रकाश द्विवेदी जिला उपाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ संजय सिंह अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ सफीपुर राघवेंद्र सिंह पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र कुशवाहा नरेंद्र मौर्य सुनील यादव जिला संगठन मंत्री मेराज आलम रजनी कटियार अनुपम शुक्ला रिचा द्विवेदी कमलेश राजवीर यादव अवनींद्र गौड अर्जित राहुल गौड राहुल वर्मा अमित कुमार अमित अवस्थी सूरज गुप्ता आशुतोष श्रीवास्तव रतन शुक्ला आदि शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद थी

28 साल से काबिज जमीन पर किया कब्जा, रातों-रात काटे लाखों के पेड़

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। तहसील क्षेत्र के सकतपुर गांव में दबंगों ने दो किसानों की 28 साल पुरानी काबिज जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया। आरोप है कि दबंगों ने भोर पहर खेत में खड़े लाखों रुपये कीमत के यूकेलिप्टस के सैकड़ों पेड़ काट डाले। विरोध करने पर किसानों के साथ मारपीट की गई और जातिसूचक गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ितों ने मामले में एसडीएम और एसपी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार, सकतपुर गांव निवासी किसान श्यामू और सज्जन पिछले 28 वर्षों से गाटा संख्या 1281 और 1268 पर काबिज हैं। किसानों का कहना है कि गाटा 1281 में उनके यूकेलिप्टस के सैकड़ों पेड़ लगे थे। आरोप है कि पड़ोस के गाटा संख्या 1280 के भूमिधर ने सीमांकन का वाद दायर किया था, जिसमें राजस्व निरीक्षक (आरआई) ने न्यायालय को कथित तौर पर गलत रिपोर्ट सौंप दी। इसी का फायदा उठाकर 23 दिसंबर की सुबह करीब चार बजे मुंशीगंज निवासी एक व्यक्ति ने अपने कई साथियों के साथ मिलकर उनके खेत में लगे पेड़ों पर आरा चलवा दिया। पेड़ कटने की भनक लगने पर जब पीड़ित किसान मौके पर पहुंचे और इसका विरोध किया, तो आरोपियों ने उन्हें जातिसूचक गालियां देनी शुरू कर दीं। बात बढ़ने पर दबंग मारपीट पर आमादा हो गए और जान से मारने की धमकी दी। दहशत में आए पीड़ितों ने तत्काल यूपी-112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस के सायरन की आवाज सुनकर आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित किसानों ने एसडीएम हसनगंज और पुलिस अधीक्षक (एसपी) उन्नाव से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

महिलाओं को बांटी गई पोषण टोकरी, गर्भवती महिलाओं की हुई गोदभराई

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की ओर से चकलवंशी स्थित प्राथमिक विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्र में 'सेवा संकल्प अभियानः आंगन मिलन सेवा' तथा राष्ट्रीय पोषण माह के तहत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों ने महिलाओं को बच्चों व उनके स्वयं के स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता और संतुलित आहार के महत्व के प्रति जागरूक किया। वक्ताओं ने जोर देते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण व सही विकास के लिए जन्म के बाद शुरूआती पोषण और स्तनपान बेहद अनिवार्य है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्र पर 'पोषण मटका' और विभिन्न पौष्टिक खाद्य सामग्रियों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके माध्यम से उपस्थित महिलाओं को आहार में हरी सब्जियों, मौसमी फलों और मोटे अनाजों को शामिल करने के फायदे बताए गए। वहीं, इस मौके पर गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक रूप से गोदभराई की रस्म भी अदा की गई।गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को विभाग की ओर से 'पोषण टोकरी' भेंट की गई, जिसमें फल, सूखे मेवे और अन्य पौष्टिक सामग्रियां व वस्त्र शामिल थे। स्वास्थ्य कर्मियों ने उन्हें गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच कराने, समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करने और आयरन-कैल्शियम की गोलियां नियमित रूप से लेने की सलाह दी।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं, गर्भवती माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने कुपोषण मुक्त समाज के निर्माण और स्वस्थ बचपन का संकल्प लिया।

कूची चली तो कागज पर उतर आया बच्चों का भारत

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। नन्हीं उंगलियों ने कूची थामी तो कागज पर सिर्फ रंग नहीं बिखरे, बल्कि भारत के भविष्य के सपने आकार लेने लगे। किसी चित्र में स्वच्छ-हरित भारत दिखा तो किसी में शिक्षा, तकनीक और विकास से आगे बढ़ता राष्ट्र। अटवा बीआरसी में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित ब्लॉक स्तरीय मेरे सपनों का भारत चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों की कल्पनाशीलता देखते ही बनी।प्रतियोगिता में कंपोजिट स्कूल उनवा की विनीता ने प्रथम, बड़ादेव की माही ने द्वितीय और अटवा की निशि ने तृतीय स्थान हासिल किया। बेसिक शिक्षा परिषद के बच्चों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपने सपनों को रंगों के जरिए अभिव्यक्त किया।बीईओ शुचि गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चल रहा है। अभियान के जरिए लोगों को विकसित भारत 2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।शिक्षक संजीव सँखवार और अमित तिवारी ने कहा कि बच्चों की चित्रकारी में देश के उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर नवागत बीईओ शुचि गुप्ता का शिक्षकों ने स्वागत किया। कार्यक्रम में संजीव सँखवार, अमित तिवारी,ज्ञानेंद्र कुशवाहा, ऋतु त्रिवेदी, रविकेश, बलबीर सिंह, पियूष त्रिवेदी, राजवीर यादव, शरद कुशवाहा, इमरान, अमित कुमार समेत शिक्षक मौजूद रहे।

अतिवृष्टि प्रभावितों को बांटे राहत चेक, कहा- किसी को भी सहायता से वंचित नहीं रखा जाएगा

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जिले की प्रभारी मंत्री रजनी तिवारी ने सोमवार को विकास भवन सभागार में विकास कार्यों और अतिवृष्टि से उत्पन्न हालात की गहन समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने बारिश से प्रभावित परिवारों को राहत राशि के चेक भी वितरित किए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपदा से प्रभावित कोई भी परिवार सरकारी सहायता से वंचित नहीं रहना चाहिए। सोमवार दोपहर करीब दो बजे विकास भवन पहुंचीं प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों से पिछले तीन दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण गांवों में मकान गिरने, जनहानि, पशुहानि और फसलों के नुकसान का विस्तृत ब्यौरा लिया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के मकान गिरे हैं या जिन्हें अन्य नुकसान हुआ है, उन्हें तत्काल सरकारी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक में कुछ प्रभावितों को सांकेतिक रूप से चेक सौंपे गए। शेष प्रभावित परिवारों को भी विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष व अन्य जनप्रतिनिधियों के माध्यम से उनके क्षेत्रों में जाकर नियमानुसार सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकार की मंशा है कि आपदा की इस घड़ी में हर पीड़ित को फौरन राहत मिले।

संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना अनुचित

चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस के विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रभारी मंत्री ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सरकार और राजनीतिक दलों का विरोध करने का पूरा अधिकार है, लेकिन चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर आधारहीन आरोप लगाना कतई उचित नहीं है। आपातकाल (इमरजेंसी) का जिक्र करते हुए उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा और नसीहत दी कि संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा हर हाल में बनाए रखनी चाहिए।

बाधित बिजली आपूर्ति तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश

लगातार बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में दो-दो दिन तक बिजली आपूर्ति ठप रहने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि सामान्य तौर पर जिले की बिजली व्यवस्था बेहतर है, लेकिन भारी बारिश से कुछ जगहों पर तकनीकी खामियां आ जाती हैं। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित है, उसकी जानकारी लेकर वहां तत्काल प्रभाव से व्यवस्था दुरुस्त कराई जाए। प्रशासन पूरी मुस्तैदी से काम कर रहा है, यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी पात्रों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समय से पहुंचे।

सम्पादकीय

शांति की चाह, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं

भारत हमेशा से अपने पड़ोसियों के साथ शांति चाहता है। उसकी विदेश नीति की महत्वपूर्ण विशेषता यही रही है कि वह शांति और स्थिरता को महत्व देता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा को उसकी कीमत नहीं बनने देता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में इसी संतुलन को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत शांति चाहता है। किसी दूसरे देश की जमीन पर कब्जा करने की इच्छा नहीं रखता, लेकिन अपनी सुरक्षा से समझौता कभी नहीं करेगा। उन्होंने पाकिस्तान को नसीहत देते हुए कहा कि यदि पड़ोसी देश आतंकवाद को बढ़ावा देता रहेगा तो आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के सभी विकल्प खुले रहेंगे। दरअसल, भारत के सामने चुनौती केवल सीमा की सुरक्षा की नहीं, बल्कि आतंकवाद के उस पूरे तंत्र से निपटने की है जो हिंसा को जन्म देता है। आतंकवाद की फंडिंग, हथियारों की आपूर्ति, कट्टरपंथ, भर्ती और सुरक्षित ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है। केवल किसी आतंकी हमले के बाद प्रतिक्रिया देना पर्याप्त नहीं हो सकता। स्थायी शांति के लिए उन परिस्थितियों को भी रोकना होगा जो आतंकवाद को बढ़ावा देती हैं। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का उल्लेख किया। उन्होंने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के दस वर्ष पूरे होने के संदर्भ में कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयरस्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति का स्पष्ट संदेश दिया है। मजबूत सुरक्षा व्यवस्था का उद्देश्य युद्ध को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि देश की संप्रभुता, नागरिकों और सीमाओं की रक्षा करना है। जब सीमा पार से हिंसा और आतंकवाद का खतरा बढ़ता है तो बातचीत की प्रक्रिया भी प्रभावित होती है। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह अपनी सुरक्षा को मजबूत रखने के साथ-साथ कूटनीतिक स्तर पर भी संवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के रास्ते खुले रखे। आतंकवाद और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकती है। इसे भी ध्यान रखना होगा। आज की सुरक्षा चुनौतियां भी बदल चुकी हैं। युद्ध केवल सीमा पर आमने-सामने की लड़ाई तक सीमित नहीं है। साइबर हमले, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना युद्ध और अन्य गैर-पारंपरिक माध्यम सुरक्षा के नए आयाम बन चुके हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सैन्य क्षमता के साथ तकनीकी और साइबर क्षमता बढ़ाना भी जरूरी है। रक्षा मंत्री ने बदलते युद्ध के स्वरूप और आधुनिक तकनीक के अनुरूप रक्षा तैयारियों की जरूरत पर जोर दिया है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। इसके वित्तीय नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय संपर्कों को रोकने के लिए देशों के बीच सूचना साझा करना और सहयोग बढ़ाना जरूरी है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शांति को कमजोरी समझने की भूल न हो और सुरक्षा को केवल सैन्य शक्ति तक सीमित न किया जाए। भारत का हित एक ऐसे वातावरण में है जहां सीमाएं सुरक्षित हों, आतंकवाद पर प्रभावी रोक हो, पड़ोसी देशों के साथ तनाव कम हो और विकास की प्रक्रिया बिना बाधा आगे बढ़े। इसलिए शांति की चाह बनी रहनी चाहिए, लेकिन सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। संवाद के रास्ते खुले रहें, कूटनीतिक प्रयास जारी रहें और क्षेत्रीय शांति की कोशिश होती रहे, लेकिन देश की सुरक्षा, संप्रभुता और नागरिकों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे।

पुण्य स्मरण

नरेंद्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

हम स्वर्गीय अशोक सिंघल का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

लोक कल्याण के लिए समर्पित 'युगपुरुष'

एक बहुत सुंदर सुभाषित है- वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।- इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। हम स्वर्गीय सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया। मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था।

वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। 2001 में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया। अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। लेकिन, शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी कई घंटे संगम के तट पर बैठा करते थे। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया।

सिंघल जी ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। अपने साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देशभर के साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते थे। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद जी के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक जी के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना

वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वो मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था।

मैंने एक बार फिर अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन किस तरह हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था। राम जन्मभूमि आंदोलन में सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में दिए गए उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है, तो इसके पीछे अशोक जी जैसी विभूतियों का निस्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने के प्रयास में स्वयं को पूरी तरह खपा दिया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वो सबसे अधिक भावुक एवं प्रसन्न होते। सिंघल जी के विचार बहुत सुलझे हुए थे। वे स्पष्ट रूप से मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका साफ मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। यही वजह थी कि उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा।

उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले कामेश्वर चौपाल के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद के दौरान उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया। राष्ट्र-निर्माण के साथ ही सिंघल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे। शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत, इन दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने सिंघल जी के जीवन में एक अहम भूमिका निभाई।

उन्होंने बीएचयू से शिक्षा प्राप्त की थी और वे एक मेधावी छात्र के रूप में जाने जाते थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी गहराई से जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता और उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को सदैव पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते थे। अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिसमें वे एकल गीत गाया करते थे। उनका गायन सभी को मंत्रमुग्ध कर देता था और पूरी बैठक में नई ऊर्जा भर जाती थी।

वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने 'हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी' गाकर सभी को चौंका दिया था। सिंघल जी ने अपने जीवन में हर क्षण इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा था। उनके आदर्शों से आज भी हमें ये प्रेरणा मिलती है। उनकी जन्मशती के इस पावन अवसर पर हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अधिक से अधिक युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र और देशवासियों के लिए सिंघल जी के सपनों को साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

मंथन

राज कुमार सिन्हा

चुनाव आयोग में विवाद से मतदाताओं में टूटता भरोसा

भारतीय चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दो चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेद को लेकर आई एक रिपोर्ट के बाद देश की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों चुनाव आयुक्तों ने मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, नाम हटाने और बहाल करने, फार्म-6 में बदलाव और मतदाता डेटा के प्रबंधन जैसे मामलों पर सवाल उठाए हैं। दोनों आयुक्तों ने मतदाता डेटा और चुनावी सॉफ्टवेयर के केंद्रीकरण को लेकर भी चिंता जताई थी। सीमा खन्ना चुनाव आयोग में आइटी और डिजिटल सिस्टम की प्रमुख अधिकारी हैं। चुनाव आयोग में विवाद ईसीआईनेट और ईआरओनेट के जरिए मतदाता सूची के प्रबंधन को लेकर है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने सवाल उठाया है कि सीमा खन्ना के नेतृत्व वाले आईटी विभाग ने जमीनी स्तर पर काम करने वाले इलेक्ट्रॉल रजिस्ट्रेशन आफिसर्स (ईआरओएस) की पहुंच और उनके वैधानिक अधिकारों को सीमित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, गोवा में 97 मतदाताओं के मामलों की स्थानीय ईआरओ स्तर पर जांच हुई और उन्हें मतदाता सूची में शामिल किए जाने के योग्य पाया गया। लेकिन संबंधित नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने में सॉफ्टवेयर और डेटाबेस एक्सेस से जुड़ी समस्या सामने आई। ईआरओ इसे मतदाता सूची सिस्टम में डाल ही नहीं पा रहे थे। गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के दफ्तर ने इस समस्या के समाधान और रोलबैक फैसलिटी उपलब्ध कराने के लिए चुनाव आयोग को आठ बार ईमेल भेजा था। परन्तु केन्द्रीय चुनाव आयोग की तरफ से कोई कार्यवाही नहीं की गई। इस मामले में दोनों चुनाव आयुक्तों ने कैबिनेट सेक्रेटरी को भी पत्र लिखा था। हाल के दिनों में निर्वाचन आयोग को लेकर दो स्तरों पर बहस तेज हुई है। पहला सवाल आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर और दूसरा मतदाता सूचियों के एसआईआर को लेकर है। इसके साथ ही आयोग के भीतर निर्णयों पर मतभेद की खबरों ने भी संस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर चर्चा को बढ़ाया है। भारत का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जो संविधान के अनुच्छेद 324, वैधानिक नियमों और स्थापित संस्थागत परंपराओं के तहत अपने दायित्वों का निर्वहन करता है। जो एक बहुसदस्यीय संवैधानिक निकाय के रूप में कार्य करता है। चुनाव कराने वाली संस्था पर उठते सवाल के कारण उसकी विश्वसनीयता कमजोर हुई है। लोकतंत्र में चुनाव केवल मतपत्र या इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव की पूरी व्यवस्था पर नागरिकों का भरोसा लोकतंत्र की वास्तविक ताकत है। दो चुनाव आयुक्तों द्वारा उनकी जानकारी के बिना लिए गए विशेष गहन पुनरीक्षण यानि एसआईआर संबंधी निर्णयों पर कई आपत्तियां दर्ज कराई थी। विगत कई वर्षों तक मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए संसद द्वारा कोई अलग कानून नहीं बनाया था। मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले में कहा था कि जब तक संसद इस विषय में कानून नहीं बनाती, तब तक नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश की समिति की सलाह पर होनी चाहिए। न्यायालय ने चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के लिए महत्वपूर्ण माना था। इसके बाद संसद ने 2023 में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति, सेवा शर्तों और कार्यकाल से संबंधित कानून बनाया। इस कानून में चयन समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल किया गया। लोकतंत्र में चुनाव कराने वाली संस्था की निष्पक्षता का महत्व इसलिए अधिक है क्योंकि चुनाव में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की राजनीतिक वैधता दांव पर होती है। यदि किसी चुनाव प्रक्रिया पर समाज के एक बड़े हिस्से का भरोसा कमजोर पड़ता है, तो चुनाव परिणाम संवैधानिक रूप से वैध होने के बावजूद उनकी सार्वजनिक स्वीकार्यता पर बहस शुरू हो सकती है।

दर्शन

संकलित

प्रेम क्या है?

प्रेम कोई क्रिया नहीं है। 'मैं' भी प्रेम है और 'तुम' भी प्रेम हो। प्रेम वह तत्त्व है जिससे हम सब बने हैं। यह एक अवस्था है, कोई कार्य नहीं। जब हम वर्तमान में होते हैं, तब हमारा मन स्वच्छ होता है-न क्रोध, न चिंता, बस प्रेम होता है। छोटे बच्चों को देखो-उनके चेहरे पर कितना निर्मल प्रेम होता है! बच्चे आकर्षक क्यों होते हैं? क्योंकि वे अपने भीतर के प्रेम को बिना किसी अवरोध के बाहर लाने देते हैं। यही कारण है कि यीशु ने कहा था- "जब तक तुम बच्चों जैसे नहीं बनते, तब तक स्वर्ग के द्वार तुम्हारे लिए नहीं खुलते।" बच्चे एक पल रोते हैं, और अगले ही पल हँस पड़ते हैं – यह है वर्तमान में जीने की कला। हम सबमें यह क्षमता है लेकिन जैसे-जैसे हम 'बुद्धिमान' होते जाते हैं, हम अपनी मासूमियत खो देते हैं। आत्मज्ञान का अर्थ है-मासूमियत को बनाए रखते हुए ज्ञान में बढ़ना। एक अज्ञानी व्यक्ति मासूम हो सकता है, लेकिन उसकी मासूमियत का कोई मूल्य नहीं होता। एक चतुर व्यक्ति चालाक हो सकता है, पर उसकी बुद्धिमत्ता में करुणा न हो तो वह भी व्यर्थ है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था है-जब व्यक्ति बुद्धिमान हो, लेकिन फिर भी भीतर से मासूम बना रहे। यह जीवन में बहुमूल्य है। जीवन की सबसे सुंदर अवस्था यह है कि हम बुद्धिमान बनें, पर भीतर से बच्चे जैसे सरल और निष्कलुष बने रहें। आज की भागदौड़ भरी जीवन में हम सब सफल, समझदार, प्रभावशाली बनना चाहते हैं लेकिन इस दौड़ में कहीं हमारी सरलता, सहजता और वह निर्मल मुस्कान पीछे छूट गई है।

प्रेरणा

संकलित

लक्ष्मी जी कहां निवास करतीं हैं

एक बार की बात है, राजा बलि समय बिताने के लिए एकान्त स्थान पर गधे के रूप में छिपे हुए थे। देवराज इन्द्र उनसे मिलने के लिए उन्हें ढूंढ रहे थे। एक दिन इन्द्र ने उन्हें खोज निकाला और उनके छिपने का कारण जानकर उन्हें काल का महत्व बताया। साथ ही उन्हें तत्वज्ञान का बोध कराया। तभी राजा बलि के शरीर से एक दिव्य रूपात्मा स्त्री निकली। उसे देखकर इन्द्र ने पूछा- दैत्यराज! यह स्त्री कौन है? देवी, मानुषी अथवा आसुरी शक्ति में से कौन-सी शक्ति है? राजा बलि बोले- देवराज! ये देवी तीनों शक्तियों में से कोई नहीं हैं। आप स्वयं पूछ लें। इन्द्र के पूछने पर वे शक्ति बोलीं- देवेन्द्र! मुझे न तो दैत्यराज बलि जानते हैं और न ही तुम या कोई अन्य देवगण। पृथ्वी लोक पर लोग मुझे अनेक नामों से पुकारते हैं। जैसे- श्री, लक्ष्मी आदि। इन्द्र बोले- देवी! आप इतने समय से राजा बलि के पास हैं लेकिन ऐसा क्या कारण है कि आप इन्हें छोड़कर मेरी ओर आ रही हैं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मुझे मेरे स्थान से कोई भी हटा या डिगा नहीं सकता है। मैं सभी के पास काल के अनुसार आती-जाती रहती हूँ। जैसा काल का प्रभाव होता है मैं उतने ही समय तक उसके पास रहती हूँ। अर्थात मैं समयानुसार एक को छोड़कर दूसरे के पास निवास करती हूं। इन्द्र बोले- देवी! आप असुरों के यहां निवास क्यों नहीं करतीं? लक्ष्मी जी बोलीं- देवेन्द्र! मेरा निवास वहीं होता है जहां सत्य हो, धर्म के अनुसार कार्य होते हों, व्रत और दान देने के कार्य होते हों। लेकिन असुर भ्रष्ट हो रहे हैं।

अंतर्मन

आज की पाती

मतदाता सूचियों में काट छांट कितनी जायज?

विपक्ष और केंद्र सरकार के विरोधी राजनीतिक दल एक बार फिर से एसआईआर के विरोध में उतर आए हैं। कांग्रेस के मुखिया राहुल गांधी भी इस मुद्दे पर हो हल्ला कर रहे हैं। लेकिन राहुल गांधी से सवाल है कि जब से देश आजाद हुआ है, तब से अब तक लगभग 70 वर्षों तक कांग्रेस जो जीतती आई है, क्या वो भी चुनाव आयोग की मिलीभगत से हुआ है? दूसरी चीज अगर किसी का नाम मतदाता सूची में गलत है या किसी के पिता या पति का नाम मिसमैच है, अगर किसी व्यक्ति की मृत्यु हो गई है लेकिन फिर भी उसका नाम मतदाता सूची में है, या कोई कहीं शिफ्ट हो गया है तो क्या ऐसी स्थिति में सुधार नहीं होना चाहिए? हालांकि चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना है कि किसी के नाम गलत ढंग से न कटें। - शंकर चंद्राकर, मुंगेली

ट्रेंड

'मैच-फिक्सिंग'

सबसे पहले, ज्ञानेश कुमार - जो उस समय एक कार्यरत आईएएस अधिकारी थे - का इस्तेमाल बीजेपी के लिए लोगों को भर्ती करने में किया गया। फिर मोदी और शाह ने उन्हें अंपायर बनाया और भारत के चुनावों में 'मैच-फिक्सिंग' करने की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

गर्व का पल

एथलेटिक्स में भारत के लिए एक और गर्व का पल! एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की लॉन्ग जंप में सिल्वर मेडल जीतने पर एसी सोजन एडपिली और पुरुषों की डेकाथलॉन में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर तेजस्विन शंकर को बधाई।

- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उत्तरप्रदेश

लास्ट-माइल कनेक्टिविटी

DEVI बसों के जरिए, दिल्ली पब्लिक ट्रांसपोर्ट को उन इलाकों तक पहुंचा रही है जहां इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है, और 'लास्ट-माइल कनेक्टिविटी' को आसान, साफ सुथरा और ज्यादा सुलभ बना रही है। बेहतर कनेक्टिविटी वाली दिल्ली का संकल्प।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

चुनाव आयोग

पहले जब भी संवैधानिक संस्थाओं में कोई समस्या आती थी, तो सभी राजनीतिक दल उन्हें सुलझाने के लिए एक सुर में बात करते थे। पहली बार ऐसी स्थिति देख रहे हैं जहां दो चुनाव आयुक्त खुद ही आयोग के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

करंट अफेयर

श्रीलंका पुलिस ने जाफना में लिट्टे नेता की प्रतिमा हटाई

श्रीलंका पुलिस ने रविवार को जाफना के नल्लूर में प्रतिबंधित संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के नेता रासैया पार्थिपन उर्फ थिलीपन की प्रतिमा हटा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता एफ. टी. वूटलर ने बताया कि शिकायत मिली थी कि लिट्टे से जुड़े एक व्यक्ति की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसके बाद कांस्य की प्रतिमा हटा दी गई। लिट्टे भारत समेत कई देशों में भी प्रतिबंधित है। थिलीपन के नाम से जाने जाने वाले पार्थिपन को तमिल प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

ऑफ बीट

बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण

यह विकास की एक दुर्भाग्यपूर्ण विचित्रता है कि सब्जियाँ हमारे लिए बहुत अच्छी हैं लेकिन वे हम सभी के लिए तुरंत स्वादिष्ट नहीं होती हैं। हम उच्च ऊर्जा वाले खाद्य पदार्थों के मीठे या उम्दा स्वाद का आनंद लेने के लिए विकसित हुए हैं, क्योंकि भुखमरी दीर्घकालिक स्वास्थ्य की तुलना में अधिक तात्कालिक जोखिम है। सब्जियाँ विशेष रूप से उच्च ऊर्जा वाली नहीं होती हैं, लेकिन वे आहार फाइबर, विटामिन और खनिजों और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले यौगिकों से भरपूर होती हैं जिन्हें बायोएक्टिव कहा जाता है। ये बायोएक्टिव ही सब्जियों के कड़वे स्वाद का कारण बनते हैं। पादप बायोएक्टिव, जिन्हें फाइटोन्यूट्रिएंट्स भी कहा जाता है

संक्षेप

अस्पताल में महिला की मौत

देरी से जांच कराने का आरोप, अस्पताल में जमकर हंगामा

अमेठ, मुंशीगंज स्थित संजय गांधी चिकित्सालय में 60 साल की श्यामपता की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह मधुआपुर गांव की रहने वाली थीं। मौत की खबर मिलते ही परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। बेटे दीपक ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि समय पर जांच और इलाज न मिलने से मां की जान गई। परिजनों ने न्याय की मांग की। वहीं, डॉ. नितिन पांडेय ने बताया कि मरीज को शुगर अधिक थी और हार्ट अटैक से उनकी मौत हुई। उनके मुताबिक, रात 11 बजे जांच लिखी गई थी, लेकिन जांच अगले दिन दोपहर 12 बजे कराई गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। मुंशीगंज थाना प्रभारी बृजेश सिंह ने बताया कि परिजन पोस्टमार्टम कराने को तैयार नहीं हुए। वे शव को अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए।

बीसी संचालक को तमंचा सटाकर लूटने की कोशिश

ग्रामीणों ने एक बदमाश को पकड़ा, दो आरोपी फरार

अमेठी , देर शाम तीन बदमाशों ने बैंक ऑफ बड़ौदा के बीसी फ्रेंचाइजी संचालक के घर में तमंचा दिखाकर लूट का प्रयास किया। संचालक के विरोध और शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। भीड़ जुटती देख दो आरोपी फरार हो गए, जबकि ग्रामीणों ने एक आरोपी को घेरकर पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। मामला शिवरतनगंज थाना क्षेत्र की है। तमंचा दिखाकर लूटपाट का प्रयास बताया गया कि बैंक ऑफ बड़ौदा के बीसी फ्रेंचाइजी संचालक, जो एक जिला पंचायत सदस्य के पति बताए जा रहे हैं, रविवार रात करीब 7:30 बजे शिवरतनगंज स्थित अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान तीन बदमाश वहां पहुंचे और तमंचा दिखाकर लूटपाट का प्रयास करने लगे। संचालक ने विरोध करते हुए शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचने लगे। लोगों की भीड़ जुटती देख दो बदमाश वहां से भाग निकले। ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा ग्रामीणों ने एक बदमाश को घेरकर पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची शिवरतनगंज पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया। पकड़ा गया आरोपी पूरे शुक्लन पेड़रिया गांव का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस उससे पूछताछ कर फरार दोनों आरोपियों के बारे में जानकारी जुटा रही है। उनकी तलाश में भी पुलिस टीम लगी हुई है संचालक ने दी तहरीर, जांच में जुटी पुलिसबीसी संचालक ने थाने पहुंचकर पुलिस को घटना की तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना से जुड़े तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है सीओ दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद कस्बे में लोगों के बीच दहशत का माहौल है।

पुलिस व गोकशी करने वाले बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़, एक बदमाश घायल

मोतीपुर पुलिस से हुई मुठभेड़ में बदमाश के पैर में लगी गोली

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। थाना मोतीपुर क्षेत्र के अंतर्गत गोपिया बैराज क्षेत्र में पुलिस व गोकशी करने वाले बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी वही दो अन्य साथियों को पुलिस ने घेर कर दबोच लिया है।थाना मोतीपुर क्षेत्र में 24 सितंबर को ग्राम शाहपुर खुर्द में गोवंश के कुछ अवशेष बरामद हुए थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।सूचना पर थाना मोतीपुर मे पुलिस ने गोवध निवारण अधिनियम पंजीकृत किया था। जिसके अनावरण हेतु पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने तीन टीमों का गठन किया गया था।विवेचना के क्रम में कुछ अपराधियों का नाम प्रकाश में आया था। रविवार रात मुखबिर की खास सूचना प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर ब्रह्मा गौंड को मिली कि यही अपराधी पुनः इसी प्रकार की घटना मोतीपुर क्षेत्र में करने के फिराक में हैं और लौकही की तरफ जाने वाले हैं। इस सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मोतीपुर और उनकी पुलिस टीम द्वारा जोगनिया बैराज मार्ग स्थित बाढ़ राहत केन्द्र बन्धा मोड़ कंजड़वा के पास संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग शुरू की जा रही थी। कुछ समय बाद गायघाट की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये। पुलिस टीम द्वारा उन्हें रोकने का प्रयास किया गया तो उक्त व्यक्तियों द्वारा पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी गयी। पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्यवाही में एक अभियुक्त के दाहिने पैर में गोली लगी, जबकि दो अन्य अभियुक्तों को पुलिस टीम द्वारा घेरकर पीछा करते हुए पकड़ लिया गया। अभियुक्तों से पूछताछ में घायल अभियुक्त ने अपना नाम सोनू पुत्र मुल्ला निवासी बालापुर थाना रुपईडीहा, दूसरे ने अपना नाम शहजाद उर्फ कलूटे पुत्र रमजान निवासी उचवा बालापुर थाना रुपईडीहा तथा तीसरे ने अपना नाम सोनू पुत्र भुसैली निवासी खैरी दा0 शाहपुर खुर्द थाना मोतीपुर बताया। अभियुक्तों के कब्जे से एक अदद तमंचा, एक अदद जिन्दा कारतूस, 1940 रुपये नगद, एक मोटरसाइकिल, एक अदद तराजू मय बाट (01 किलो एवं 500 ग्राम), मांस काटने वाला 01 अदद लकड़ी का ठीहा तथा 03 अदद चाकू बरामद किये गये। घायल अपराधी सोनू के विरुद्ध पूर्व से गोकशी के कई मुकदमे दर्ज है उसे इलाज हेतु अस्पताल भेजा गया। मौके पर पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव एव अन्य अधिकारीगण द्वारा पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मा गौड़ ने बताया कि मुखबिर की खास सूचना पर घेराबंदी कर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था इसी बीच बदमाशों तथा पुलिस द्वारा हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी है तथा उसके दो साथियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल हुई है, उन्होंने बताया कि आगे की कार्यवाही की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मा गौड़, दरोगा रंजीत भारती, रोहित वर्मा, संजीत सिंह ,अजीत सिंह, राजकिशोर, दीवान दयानंद सिंह, अनंत यादव, रविंद्र नाथ मौर्या ,राम संजीवन, सिपाही सूरज गौंड ,अमरेंद्र गुप्ता, जयप्रकाश, अनूप मौर्य ,प्रेम प्रकाश शामिल रहे।

तेज आंधी पानी से चरमराई बिजली व्यवस्था, पांच दिन से नहीं आई बिजली

रायबोझा पावर हाउस से सप्लाई होने वाली बिजली पांचवें दिन भी बाधित

अमन लेखनी समाचार / मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। जिले में तेज आंधी और बारिश की वजह से बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। पांचवें दिन भी ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी जिससे उपभोक्ता परेशान है। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के अंतर्गत रायबोझा पावर हाउस से सप्लाई होने वाली बिजली व्यवस्था पांचवें दिन भी बहाल नहीं हो सकी है तेज आंधी और बारिश से जगह-जगह पोल टूटने और लाइन क्षति होने की वजह से बिजली विभाग लगातार लाइन को सुधारने में जुटा हुआ है लेकिन अभी तक सुधार नहीं हो सका है बड़े-बड़े पेड़ों के बिजली के पोलो और लाइनों पर गिर जाने से बिजली विभाग को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है बिजली कर्मी दिन-रात एक करके बिजली बहाल करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन पांचवें दिन भी सफलता प्राप्त नहीं हो सकी है। रायबोझा पावर हाउस से गायघाट बगहा पुरैना भज्जापुरवा राजापुर कला सहित कई गांवो में बिजली की सप्लाई होती है आंधी पानी की वजह से क्षेत्र में बिजली का संकट गहरा गया है। पांचवें दिन की बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हो सकी है बिजली उपभोक्ताओं ने जल्द बिजली व्यवस्था बहाल किए जाने की मांग की है।

भारी बारिश और आंधी से धान की फसल को भारी नुकसान, किसान परेशान

तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

अमन लेखनी समाचार

मिथिलेश जायसवाल

मोतीपुर, बहराइच। जिले में तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है वहीं खेतों में लगी धान की फसल को भारी नुकसान हुआ है जिससे किसानों के चेहरे पर चिंता की लकीरें छा गई है। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र जंगल और नदियों से घिरा हुआ है। तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से गांव से लेकर शहर तक जलमग्न हो गए हैं। किसानों के खेत में लगी धान गन्ना व सब्जी की फसलें तेज आंधी में गिर गई है। सबसे ज्यादा नुकसान धान की फसल को हुआ है। तहसील मिहींपुरवा क्षेत्र के अंतर्गत गायघाट गुलरा भज्जापुरवा राजापुर कला ,कुड़वा ,चिकनिया रायबोझा सहित अन्य गांवों में किसानों के खेत में लगी धान की फसल को बहुत भारी नुकसान हुआ है। फसल के नुकसान से किसान सदमे में है। आंधी और बारिश ने किसानों के उम्मीद पर पानी फेर दिया है। किसानों ने सरकार से मुआवजे की उम्मीद की है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी मिहींपुरवा मोनालिसा जौहरी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आंधी पानी से धान की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। सभी गांवों में राजस्व लेखपालों को लगाया गया है मैं खुद क्षेत्र में हूं और सर्वे किया जा रहा है।

कतर्नियाघाट में तेंदुए ने हमला कर तीन लोगों को किया घायल, दहशत

अमन लेखनी समाचार

मोतीपुर, बहराइच। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र में वन्यजीवों के हमले लगातार जारी है। सोमवार को पिपरामेंट की टंकी पर बैठे तेंदुए ने हमला कर तीन लोगों को घायल कर दिया जिनका इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा में चल रहा है। तीन लोगों के हमले में घायल होने के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल है ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग क्षेत्र के सदर रेंज अंतर्गत ग्राम पंचायत जंगल गुलरिया के संपत पुरवा में वन सीमा के ठीक पास स्थित एक पिपरमेंट टंकी पर तेंदुआ बैठा हुआ दिखाई दिया जिसकी सूचना ग्रामीणों ने वन विभाग को दी मौके पर पहुंचे वन कर्मचारीयों ने तेंदुए को हटाने तथा ग्रामीणों को सुरक्षित करने के लिए प्रयास किया लेकिन ग्रामीणों की भीड़ ज्यादा इकट्ठा हो जाने के चलते तेंदुआ आक्रामक हो गया और मौके पर उपस्थित तीन लोगों को घायल कर दिया।घायल होने वालों में सूर्यसेन (61 वर्ष) निवासी संपत पुरवा, जंगल गुलहरिया, मुन्ना (45 वर्ष)निवासी गुप्ता पुरवा, बड़खड़िया। तथा श्रीमती सुनीता देवी (42 वर्ष) निवासी गुप्ता पुरवा, बड़खड़िया शामिल हैं। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहींपुरवा पहुंचाया गया जहां पर उनका इलाज चल रहा है चिकित्सकों के मुताबिक उनकी हालत खतरे से बाहर। इस संबंध में डीएफओ अपूर्व दीक्षित ने बताया कि पिपरामेंट टंकी पर तेंदुआ के बैठने की सूचना मिलते ही वन कर्मियों को मौके पर भेजा गया लेकिन ग्रामीण की भीड़ ज्यादा इकट्ठा होने से तेंदुआ आक्रामक हो गया जिसमें तीन लोग घायल हुए हैं। गस्त बढ़ा दी गई है लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

विद्यालय भवन पर गिरा पुराना पेड़, हादसा टला

अमन लेखनी समाचार

बाबागंज, बहराइच। ग्राम पंचायत बनकुरी में एक सरकारी स्कूल की इमारत पर एक विशाल पेड़ गिर गया। पेड़ के गिरने से स्कूल भवन में मामूली नुकसान हुआ। यह हादसा तीन दिनों से हो रही लगातार बारिश और तेज हवा के कारण हुआ। गनीमत रही उस समय स्कूल में बच्चें मौजूद नहीं थे। जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय बनकुरी के प्रधानाध्यापक शमीम अहमद नें बताया कि स्कूल परिसर में अभी भी कई पेड़ है, उन्हें डर है कि यें पेड़ कभी भी स्कूल भवन पर गिर सकते है। जिससे बड़ा हादसा हो सकता है।

कांग्रेस नेता जलता पुतला लेकर सड़क पर दौड़े

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर पुतला फूंका, पुलिस से हुई झड़प

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , गौरीगंज में आज कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जोरदार विरोध मार्च निकाला और पुतला फूंका।पुतला फूंकने के दौरान युवा कार्यकताओं और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इस दौरान युवक कांग्रेस के पूर्व अद्यक्ष शकील जायसी जलते हुए पुतले को लेकर सड़क पर दौड़ते नजर आए जिसको पकड़ने के लिए पुलिस उनके पीछे दौड़ती रही।इस दौरान सड़क पर अफरा तफरी का माहौल बना रहा। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे कांग्रेस कार्यकताओं ने गौरीगंज कस्बे में विरोध मार्च निकाला। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता काले कपड़े और काले फीते बांधकर सड़क पर उतरे। कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला दहन किया। कांग्रेस कार्यालय के बाहर पुतला दहन को लेकर यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता सौरभ सिंह, यूथ कांग्रेस जिला अध्यक्ष शुभम सिंह व अन्य कार्यकताओं तथा पुलिस के बीच छीना-झपटी हुई। निष्पक्ष जांच की मांग की गई इस विरोध मार्च में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी आशीष शुक्ला, अरविंद चतुर्वेदी, अनिल सिंह समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे लेकर शामिल हुए। कार्यकताओं ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। कांग्रेस लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता को महत्वपूर्ण मानती है और उठ रहे सवालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। विरोध मार्च के दौरान गौरीगंज कस्बे में कुछदेर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। सुरक्षा को लेकर गौरीगंज, जामो और मुंशीगंज थाने की पुलिस टीम तैनात की गई थी।

पल्लेदार की टांग काटने पर भड़के गांववाले, मंडी में हंगामा

अलीगढ़ में मुनीम को पीटा; पुलिस की वर्दी खींचने की कोशिश

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ की छर्रा गल्ला मंडी में मजदूर (पल्लेदार) से मारपीट का मामला सोमवार को तूल पकड़ गया। 22 सितंबर की रात हुई मारपीट में मजदूर घायल हो गया था। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों को उसकी एक टांग काटनी पड़ी। सोमवार को घरवाले उसे एंबुलेंस से लेकर पहले थाने पहुंचे। इसके बाद मंडी पहुंचकर हंगामा करने लगे। गांववालों ने मंडी का गेट बंद कर सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस गेट खुलवाने पहुंची तो गांववालों से धक्कामुक्की होने लगी। भीड़ ने पुलिस की गाड़ी रोकने की भी कोशिश की। कुछ लोग गाड़ी के आगे लेट गए। इस दौरान गांववालों ने आढ़ती के मुनीम को पीट दिया।पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेने की कोशिश की तो भीड़ उग्र हो गई। लोगों ने पुलिसवालों की वर्दी खींचने की कोशिश की। हालात बिगड़ने पर सीओ छर्रा गरवित सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन भीड़ शांत नहीं हुई। इसके बाद चार थानों से पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस ने लाठियां जमीन पर पटककर भीड़ को पीछेहटाया। इसके बाद हालात काबू में आए। मंडी में दोपहर करीब ढाई बजे तक हंगामा चलता रहा।

मारपीट के बाद बिगड़ी हालत, डॉक्टरों को काटनी पड़ी टांग

गांव रुमामई के रहने वाले मजदूर के पिता भोजराज ने छर्रा थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया- मेरा बेटा राजू मंडी में पल्लेदारी करता था। वह परिवार में अकेला कमाने वाला था।22 सितंबर की रात करीब 8 बजे आढ़ती महेश कुमार और रहमान से राजू का झगड़ा हो गया। दोनों ने उसके साथ मारपीट की। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हम लोग उसे अलीगढ़ के एक निजी अस्पताल ले गए।हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे दिल्ली रेफर कर दिया। वहां इलाज के बाद दो दिन पहले उसे अलीगढ़ लाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि उसके पैर की नसों में गंभीर चोट आई है। उसकी टांग बचाना संभव नहीं है। इसके बाद इलाज के दौरान डॉक्टरों को उसकी टांग काटनी पड़ी।

कार्रवाई न होने पर घायल बेटे को लेकर मंडी पहुंचे परिजन

सोमवार सुबह अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद घरवाले घायल राजू को एंबुलेंस से छर्रा थाने ले गए। वहां तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि पुलिस ने मामले को हादसा बताने की बात कही। इससे नाराज परिजन घायल बेटे को लेकर मंडी पहुंच गए।मंडी में उन्होंने गेट बंद कर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

मानदेय बढ़ाने समेत 4 मांगों को लेकर बैंक-सखियों का प्रदर्शन

बोलीं- ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं पहुंचा रहे, महंगाई में कम मानदेय से परिवार चलाना मुश्किल

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं पहुंचा रहीं बैंक सखियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं और मूलभूत सुविधाओं को लेकर आवाज उठाई है। सोमवार दोपहर 2 बजे समस्त बैंक सखी संघ, सुल्तानपुर के बैनर तले बैंक सखियां जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं। यहां उन्होंने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को मांग पत्र सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। बैंक सखियों ने ज्ञापन में कहा कि उन पर लगातार काम का दबाव बढ़ रहा है। इसके बावजूद वर्तमान महंगाई के दौर में उन्हें मिलने वाला मानदेय काफी कम है। इससे परिवार का भरण-पोषण करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में दिन-रात बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का काम कर रही हैं। ऐसे में उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार और संबंधित विभाग को ठोस कदम उठाने चाहिए।

मानदेय 30 हजार करने समेत 4 प्रमुख मांगें

बैंक सखी संघ ने ज्ञापन में मासिक मानदेय 25 से 30 हजार रुपए करने, बैंक सखी की सेवा को पूर्ण रूप से स्थायी करने की मांग की। इसके अलावा बैंकिंग लेनदेन को सुचारू और डिजिटल तरीके से संचालित करने के लिए निःशुल्क स्मार्टफोन और हर महीने मुफ्त डेटा व कॉलिंग रिचार्ज देने की मांग की गई।

बीमा और बैठने की जगह की भी मांग

बैंक सखियों ने कार्य के दौरान सुरक्षा के लिए बैंक की ओर से निःशुल्क जीवन और स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही बैंक शाखाओं के भीतर उनके बैठने के लिए समुचित जगह, शौचालय और अन्य जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने बैंक सखियों को पहचान पत्र और यूनिफॉर्म/ड्रेस उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। संघ ने जिलाधिकारी से उनकी व्यावहारिक समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप

प्रतापगढ़ में युवक पर केस दर्ज, पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराया गया

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,पट्टी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती ने नादी गांव के एक युवक पर शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि बाद में युवक ने शादी से इनकार कर दिया। युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने बताया कि युवक ने उसे शादी करने का भरोसा दिया था और इसी वादे पर उसके साथ संबंध बनाए। जब युवती ने शादी के लिए कहा, तो युवक टालने लगा। युवती का आरोप है कि कई बार दबाव डालने पर भी युवक ने शादी से साफ इनकार कर दिया और उसे धमकी भी दी। इसके बाद युवती ने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती को मेडिकल जांच के लिए भेजा है। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मामले की जांच उपनिरीक्षक शुभम सिंह को सौंपी गई है। जांच के बाद सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

बोलेरो की टक्कर से रिटायर्ड एयरफोर्स-कर्मी की मौत

बैंक जाते समय हुआ हादसा, ड्राइवर फरार; बीच सड़क शव से लिपटकर रोई बेटा-बेटी और पत्नी

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़, बोलेरो ने बुलेट बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बैंककर्मी की मौत हो गई। वह सोमवार सुबह 10 बजे बैंक जा रहे थे। राहा टीकर चौराहे पर पहुंचते ही सफेद रंग की बोलेरो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने गाड़ी का नंबर देखा और उसका पीछा भी किया, लेकिन चालक पकड़ में नहीं आ सका। वहां मौजूद लोगों ने उनके मोबाइल से परिजनों को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची उनकी पत्नी और बेटा उनसे लिपटकर रोने लगे। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर संग्रामपुर थाना के राहा टीकर चौराहे की है। बैंककर्मी की पत्नी-बेटा और बेटी उससे लिपटकर सड़क पर ही रोने लगे। सिलसिलेवार जानिए पूरा मामलारोज की तरह बैंक जाने के लिए निकले थे सांगीपुर थाना क्षेत्र के दुल्लापुर रामगंज गांव के रहने वाले कमलेश वर्मा (40) एयरफोर्स से रिटायर्ड हैं। वर्तमान में वह बैंक ऑफ बड़ौदा की परदेपुर शाखा में अकाउंटेंट के पद पर काम कर रहे थे। कमलेश के परिवार में उनकी पत्नी रामयशी वर्मा (38), बेटा राघवेंद्र वर्मा (18) और बेटी कविता वर्मा (23) हैं। उनकी बेटी बेंगलुरु में अमेजन कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है।सोमवार सुबह करीब 10 बजे वह रोज की तरह अपनी बुलेट बाइक से घर से बैंक जाने के लिए निकले थे। घर से करीब 10 किमी दूर राहा टीकर चौराहे पर वह पहुंचे ही थे कि एक बोलेरो ने उनकी बुलेट में सामने से जोरदार मार दी। टक्कर इतना भीषण था कि बुलेट के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कमलेश बुरी तरह से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उनके फोन से उनकी पत्नी और बेटे को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पत्नी रामशयी और बेटा राघवेंद्र घटना स्थल पर पहुंचे। सड़क पर मृत पड़े कमलेश से लिपटकर रोने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा बहुत ही भयानक था।

संक्षेप

शादी समारोह में बाराती और लड़की पक्ष भिड़े

5 लोग घायल, खाने में देरी की शिकायत के बाद शुरू हुआ विवाद

बागपत , खेकड़ा में शादी समारोह के दौरान बाराती और लड़की पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए। मारपीट में पांच लोग घायल हो गए। विवाद की शुरूआत खाने में देरी की शिकायत से हुई थी। इसके बाद शाम को पार्किंग में मोटरसाइकिल हटाने को लेकर दोबारा कहासुनी हुई और दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। खाने में देरी पर हुई थी कहासुनीखेकड़ा की लाइनपार बस्ती में रहने वाले इकरामुद्दीन की बेटी की शादी थी। गाजियाबाद से आई बारात फखरपुर मार्ग स्थित एक फार्म हाउस में रुकी थी। बताया गया कि खाने में देरी को लेकर बारातियों ने शिकायत की, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच बहस हो गई। बाद में मामला शांत हो गया, लेकिन शाम को पार्किंग में दोबारा विवाद शुरू हो गया।बाइक हटाने को लेकर बढ़ा विवादशाम करीब 5 बजे दोनों पक्ष पार्किंग में पहुंचे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल हटाने को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। मारपीट में बाराती पक्ष के शकीरा और आमिर समेत पांच लोग घायल हो गए।घायलों के संबंध में पुलिस की ओर से अभी विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से जानकारी ली। दरोगा अबरार ने बताया कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। शिकायत मिलने के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्ति के लिए युवाओं ने लगाई दौड़

जिला जाट सभा ने किया आयोजन, नशे से दूर रहने का दिया संदेश

बागपत,नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला जाट सभा ने युवाओं के लिए दौड़ का आयोजन किया।इसका मकसद उन्हें नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और खेलकूद से जुड़ने के लिए प्रेरित करना था। युवाओं ने इसमें उत्साह से हिस्सा लिया। जिला जाट सभा बागपत के अध्यक्ष एडवोकेट सोमेंद्र ढाका ने कहा कि नशे की लत युवाओं की सेहत और भविष्य दोनों पर बुरा असर डालती है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा शिक्षा, खेल और सामाजिक कामों में लगाने की अपील की सोमेंद्र ढाका ने बताया कि नशा मुक्ति केवल किसी एक की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज को मिलकर जागरूकता फैलानी होगी।

ग्रामीण बैंक से पकड़े गए 4 संदिग्ध युवक

40 लाख रुपए निकालने पहुंचे थे, म्यूल खाते के जरिए मंगाई गई थी रकम

गोरखपुर , ग्रामीण बैंक से रविवार को 40 लाख रुपये की संदिग्ध निकासी की कोशिश करते चार युवक पकड़े गए हैं। चारो दूसरे व्यक्ति के खाते में रकम मंगाकर उसे निकालने पहुंचे थे। साइबर और शाहपुर थाने की पुलिस हिरासत में लेकर चारो युवक से पूछताछ कर रही है। घटना शाहपुर क्षेत्र के संगम चौराहा स्थित उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में रविवार दोपहर करीब 12:30 बजे हुई।

प्रशासन ने अंतर्जनपदीय बैटरी चोरों को किया गिरफ्तार

मौके पर दो दर्जन से अधिक बैटरी तथा दो गाड़ियां बरामद

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मकंदापुर मोड के समीप से प्रशासन ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया चांदपुर थाना प्रशासन ने आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए कड़ी पूछताछ की जहां आरोपियों के समीप दो गाड़ियां, नगदी तथा 27 चोरी की गई बैटरियां बरामद हुई वही चोरों ने चांदपुर थाना क्षेत्र समेत जाफरगंज सुल्तानपुर आदि में की गई चोंरियों का भी खुलासा किया पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने प्रशासन की सराहनीय कार्य को देखते हुए चांदपुर प्रशासन टीम को 25000 रुपए का नगद इनाम देकर पुरस्कृत किया इस सराहनीय कार्य में चांदपुर थाना प्रभारी वृंदावन राय अमौली चौकी प्रभारी अविनाश मिश्रा उपनिरीक्षक राय साहब यादव श्याम बिहारी सिंह अंकुर मिश्रा समेत भारी संख्या में आरक्षी मौजूद रहे प्रशासन ने गिरफ्तार किए गए अंतर्जनपदीय चोर 22 वर्षीय आकिब पुत्र साबिर निवासी बड़ा कुआं जहांनपुर थाना बिंदकी 24 वर्षीय आमिर पुत्र अजहर निवासी लंका रोड थाना कोतवाली बिंदकी 28 वर्षीय जावेद पुत्र गुलाम मोहम्मद मोहल्ला जहांनपुर थाना कोतवाली बिंदकी 28 वर्षीय रवि गुप्ता पुत्र सुरेश गुप्ता निवासी मदनपुर थाना राधा नगर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार करते हुए थाना प्रभारी वृंदावन राय ने कार्यवाही की वही सभी चोरों का अपराधिक इतिहास खंगाला गया जहां दर्जनों मुकदमे पूर्व काल में भी अलग-अलग थाना में मौजूद मिले थाना प्रभारी ने सभी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया

कृष्ण जन्म लीला देख भावविभोर हुए दर्शक

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद। कस्बे के मोहल्ला दारागंज स्थित प्राचीन आशा देवी मंदिर में वृंदावन से आए कलाकारों ने श्रीकृष्ण लीला का भावपूर्ण मंचन किया। प्रथम दिन भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की लीला प्रस्तुत की गई, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। मंचन के दौरान कंस के अत्याचार, देवकी-वसुदेव के कारागार में बंद होने और भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के प्रसंग को कलाकारों ने जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। भगवान श्रीकृष्ण के जन्म होते ही भक्ति गीतों और मनमोहक संवादों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रीकृष्ण जन्म का दृश्य देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए और जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा।इस मौके पर पप्पू कुशवाहा, वेद प्रकाश शुक्ला, श्रीराम गुप्ता, अनिल गुप्ता, शिवकरण कुशवाहा, नीरज मौर्य, शिवशंकर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

धूमधाम से आयोजित हुआ सेवा सम्मान समारोह

वर्तमान निवर्तमान खंड शिक्षा अधिकारी शिक्षकों द्वारा हुए सम्मानित

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के अमौली विकासखंड ब्लॉक संसाधन केंद्र सभागार अंतर्गत शिक्षा क्षेत्र के शिक्षकों द्वारा एक भव्य कार्यक्रम सेवा सम्मान समारोह के रूप में आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खंड शिक्षा अधिकारी प्रवीण शुक्ला एवं नव आगंतुक खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी ने दीप प्रज्वलन करते हुए मां सरस्वती के प्रतिमा में माल्यार्पण कर कार्यक्रम को गति प्रदान की कार्यक्रम का संचालन पूर्व माध्यमिक परिषदीय विद्यालय कुलखेड़ा के शिक्षक उमेश कुमार त्रिवेदी द्वारा किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथियों ने पावन तिथि देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अमर सपूत सरदार भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष में रन बाकुर को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सलामी दी वहीं पूरे समुदाय में वीर भगत सिंह जिंदाबाद इंकलाब जिंदाबाद वंदे मातरम आदि जयकारे गूंजते रहे कार्यक्रम में उपस्थित दोनों अधिकारियों का शिक्षक समुदाय ने अंग वस्त्र प्रतीक चिन्ह आदि भेंट करते हुए सादर आभार व्यक्त किया शिक्षकों ने खंड शिक्षा का अधिकारी प्रवीण शुक्ला की भावभीनी विदाई की वही नव आगंतुक खंड शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश अवस्थी का माल्यार्पण अंग वस्त्र के साथ भव्य स्वागत किया गया इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र सिंह उर्फ गोली प्रधानाध्यापक सर्वेश कुमार अवस्थी शैलेंद्र सचान दयाराम गौतम नागेश प्रताप सिंह माधव सिंह समेत भारी संख्या में शिक्षक व शिक्षिकाएं मौजूद रहे ।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र मामला, दिल्ली क्राइम ब्रांच की जांच जारी

डिप्टी सीएमओ समेत तीन के बयान दर्ज, 5 प्रमाण पत्रों की जांच जारी

अमन लेखनी समाचार

देवरिया , दिल्ली क्राइम ब्रांच ने फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्र मामले में देवरिया के डिप्टी सीएमओ, दिव्यांग लिपिक और कंप्यूटर ऑपरेटर से दिल्ली में पूछताछ की है। इन तीनों ने अपने बयान दर्ज कराए हैं। नोडल अधिकारी डॉ. आरसी यादव का बयान सोमवार को दिन में 12 बजे दर्ज हुआ। यह मामला देवरिया से जारी पांच फर्जी दिव्यांग प्रमाण पत्रों से जुड़ा है। इन प्रमाण पत्रों का इस्तेमाल दिल्ली में मेडिकल प्रवेश और नौकरियों में किया गया था। जांच में फर्जी पाए जाने के बाद क्राइम ब्रांच पड़ताल कर रही है। क्राइम ब्रांच ने लिपिक को 25 सितंबर, ऑपरेटर को 26 सितंबर और डिप्टी सीएमओ डॉ. आरपी यादव को 28 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया था। उनसे प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया और रिकॉर्ड की जानकारी ली गई। अंतिम जांच और कार्रवाई अभी बाकी 18 सितंबर को दिल्ली क्राइम ब्रांच की टीम देवरिया सीएमओ कार्यालय पहुंची थी। टीम ने सीएमओ डॉ. एसके सिन्हा, डॉ. आरपी यादव और लिपिक धीरेंद्र पांडेय से पूछताछ की थी। लिपिक धीरेंद्र पांडेय ने कथित तौर पर प्रमाण पत्र बनाने की बात स्वीकार की है। अंतिम जांच और कार्रवाई अभी बाकी है।

लालूगंज बाजार में तीन दुकानों को खाली कराने पहुंचा प्रशासन

व्यापारी की तबीयत बिगड़ने से टली कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

जहानाबादे कस्बे के मुख्य बाजार लालूगंज में स्थित दुकानों को खाली कराने के लिए सोमवार दोपहर प्रशासनिक अमला भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा तो दुकानदारों और आसपास के व्यापारियों में खलबली मच गई।हालांकि, कार्रवाई के दौरान व्यापारी आनंद गुप्ता की तबीयत बिगड़ने के कारण दुकानों को खाली कराने की कार्रवाई नहीं हो सकी।मामला आरबी आध्याशरण सिंह कर्ता जितेंद्र प्रताप सिंह बनाम रीना गुप्ता व आनंद गुप्ता से जुड़े किराएदारी विवाद का है। बीती 8 सितंबर को न्यायालय के आदेश के अनुपालन में प्रशासनिक टीम दुकानों को खाली कराने पहुंची थी, लेकिन दुकानदारों के विरोध के बाद उन्हें फिलहाल एक सप्ताह की मोहलत दी गई थी। सोमवार को बिंदकी तहसीलदार धीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में नायब तहसीलदार सुरेश चंद्र गौतम, जाफरगंज क्षेत्राधिकारी अवनीश कुमार, क्षेत्रीय लेखपाल बृजेंद्र प्रताप सिंह, लेखपाल अभय सिंह, शिवम कुमार, क्षेत्रीय अमीन राजेंद्र प्रसाद तिवारी और थाना प्रभारी योगेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इस दौरान थाना कल्याणपुर और थाना बकेवर का पुलिस बल भी मौजूद रहा।कार्रवाई के दौरान व्यापारी आनंद गुप्ता की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके चलते प्रशासनिक कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी।वहीं, आनंद गुप्ता की पत्नी रीना गुप्ता का कहना है कि जब तक उन्हें कोई लिखित दस्तावेज नहीं दिया जाता, तब तक वे दुकान खाली नहीं करेंगी। उनका दावा है कि दुकानों पर उनका और उनके पति का मालिकाना हक है तथा विपक्षी का उन पर कोई अधिकार नहीं है।

पति और सास पर, पत्नी ने दर्ज कराया मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

जहानाबाद। थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में मां को खाना न देने की बात को लेकर पत्नी के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।नारायणपुर गांव निवासी आरती देवी ने आरोप लगाया कि 27 सितंबर की शाम उसके पति प्रदीप कुमार ने मां को खाना न देने की बात को लेकर विवाद करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की। इस दौरान गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता ने अपनी सास माया देवी पर भी मारपीट और गाली-गलौज करने का आरोप लगाया है।मारपीट में आरती देवी के सिर और दाहिने हाथ में चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर प्रदीप कुमार और माया देवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सर्राफा व्यवसायी से लूट, 6 बदमाश गिरफ्तार

36 घंटे में पुलिस ने लूटा गया पूरा माल बरामद किया, गूगल मैप से ढूंढी थी दुकान

अमन लेखनी समाचार

रायबरेली ,पुलिस ने बछरावां में सर्राफा व्यवसायी से लूट का 36 घंटे में खुलासा किया।6 बदमाश गिरफ्तार हुए, लूटा गया पूरा माल और वारदात में इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई। शनिवार को 'शिव ज्वैलर्स' के मालिक ऋषि कुमार सोनी शिवगढ़ में दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। शाम 6 बजे तिलेण्डा गेस्ट हाउस के पास सफेद कार सवार बदमाशों ने बारिश में उन्हें रोका। बदमाशों ने ऋषि कुमार सोनी के सिर पर डंडे से हमला कर उनका बैग छीना। बैग में 650 ग्राम चांदी और 11 ग्राम सोने के गहने थे। वे नहर के रास्ते भाग गए। बछरावां में केस दर्ज हुआ। लखनऊ में इ.रू. ऑपरेशन थियेटर टेक्नोलॉजी का छात्र सौरभ शर्मा को फीस के लिए 50,000 रुपये चाहिए थे। उसने दोस्तों संग लूट की योजना बनाई। आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गूगल मैप से दुकानें ढूंढीं और 23 सितंबर को रेकी की थी। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देशन में बछरावां पुलिस और एसओजी /सर्विलांस की संयुक्त टीम ने तकनीकी साक्ष्यों की मदद से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सौरभ शर्मा, आयुष कुमार गौड़, कृष्णा कुमार यादव, अभय रस्तोगी, राजनायक यादव और ओम सिंह शामिल हैं। ये सभी आरोपी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में रहकर पढ़ाई या काम कर रहे थे, लेकिन मूल रूप से रायबरेली, बलिया, सुल्तानपुर, बाराबंकी और बहराइच के रहने वाले हैं।

वकील को सड़क पर गिराकर 17 डंडे मारे

हमलावरों ने पत्नी को भी धक्का दिया, धमकाया- शिकायत की तो जान से मार देंगे

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , दोपहर एक वकील की हमलावरों ने लाठी-डंडों से पिटाई कर दी। वह जनरल स्टोर की दुकान पर घर का सामान ले रहे थे। इसी दौरान 5-6 हमलावरों ने उन्हें घसीट लिया। सड़क पर गिराकर लात-घूसों और करीब 17 डंडे मारे। बचाने पहुंची वकील की पत्नी से भी धक्का-मुक्की की।आसपास के दुकानदारों ने किसी तरह वकील और उनकी पत्नी को बचाया। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। सूचना पर पहुंची साहिबाबाद पुलिस को वकील ने बताया- मैंने घर के बगल में हो रहे निर्माण को लेकर लखनऊ में शासन के अधिकारियों से शिकायत की थी। युवकों ने इसी का बदला लिया है।

वकील-पड़ोसी का निर्माण कार्य को लेकर विवाद

साहिबाबाद थाना क्षेत्र के राजेंद्रनगर के रहने वाले आशीष पन्नू दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट में सीनियर एडवोकेट हैं। आशीष ने बताया कि मेरे मकान से सटाकर एक बिल्डिंग में बेसमेंट बनाया गया है। इससे मेरे मकान में दरारें आ गई हैं। वकील के मुताबिक, इस मामले में पुलिस अधिकारियों और लखनऊ में शासन के अधिकारियों से शिकायत की थी, जिससे आरोपी नाराज थे। आज दोपहर करीब 1:40 बजे मैं अपनी पत्नी प्रेषिका और बच्चों के साथ कार से घर से करीब एक किमी दूर किराना दुकान पर सामान लेने गया था। कार सड़क किनारे खड़ी करने के बाद मैं दुकान के अंदर चला गया। इसी दौरान 5-6 युवक लाठी-डंडे लेकर वहां पहुंचे। एक युवक मुझे दुकान से खींचकर सड़क पर ले आए। जमीन पर गिराने के बाद लात-घूंसों और डंडों से पीटना शुरू कर दिया।

कांग्रेस ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका

कार्यकताओं ने लातों से कुचला, पुलिस से नोकझोंक हुई

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज ,मुख्य चुनाव आयुक्त चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस ने सोमवार को प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने बालासन चौराहे पर महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे धरना दिया। इस दौरान भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की गई। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता रैली के रूप में जिला कलेक्ट्रेट की ओर रवाना हुए। रैली आगे बढ़ने के दौरान कार्यकताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला निकाला और सड़क पर उसे जला दिया। पुतला जलाए जाने की जानकारी मिलते ही पुलिस ने उसे छीनने का प्रयास किया। इसे लेकर कांग्रेस कार्यकताओं और पुलिस के बीच काफी देर तक नोकझोंक हुई। पुलिस पुतला नहीं छीन सकी। इसके बाद कांग्रेस कार्यकताओं ने उसे पूरी तरह जला दिया। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ता जल चुके पुतले को पैर से कुचलते भी नजर आए। इस दौरान मौके पर कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल रहा।

कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेताओं ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए। प्रदर्शन में शामिल सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि कांग्रेस देशभर में चुनाव की निष्पक्षता और वोट की सुरक्षा को लेकर आंदोलन कर रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने भी कई मौकों पर चुनाव में कथित गड़बड़ियों और 'वोट चोरी' का मुद्दा उठाया है। ये आरोप कांग्रेस की ओर से लगाए गए हैं।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और कार्रवाई की मांग

उज्ज्वल रमण सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का गठन चुनाव की शुचिता बनाए रखने और अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हुआ था। कांग्रेस सांसद ने उत्तर प्रदेश में चुनाव से पहले मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की आशंका का भी आरोप लगाया। निर्वाचन आयोग ने चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े विवादों पर अपनी ओर से अलग पक्ष रखा है। राहुल गांधी, खड़गे और प्रियंका के नेतृत्व में आंदोलन जारी रखने का दावाउज्ज्वल रमण सिंह ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में वोट की सुरक्षा के मुद्दे पर आंदोलन जारी रखेगी।

स्लीपर बस ने साइकिल सवार को रौंदा

ड्राइवर बस लेकर भागा, पैर पर चढ़ा पहिया; हालत गंभीर

अमन लेखनी समाचार

नोएडा, रात सेक्टर-62-59 के बीच विश्वकर्मा रोड पर एक स्लीपर बस ने साइकिल सवार कंपनी कर्मी अनिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस का एक पहिया अनिल के पैर के ऊपर से निकल गया। ड्राइवर बस लेकर मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने घायल अनिल को अस्पताल पहुंचाया। 34 वर्षीय अनिल सेक्टर 63 की चोटपुर कॉलोनी में रहते हैं और एक कंपनी में काम करते हैं। वे शनिवार रात साइकिल से घर लौट रहे थे। टक्कर से अनिल की साइकिल टूट गई और उनके बाएं पैर पर बस का पहिया चढ़ गया। उन्हें पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। उनकी हालत गंभीर है और पैर का ऑपरेशन होगा। सेक्टर-58 थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं। घटना के 24 घंटे बाद भी बस या ड्राइवर का पता नहीं चल पाया है।

यूपी ट्रेड शो में 16 तरह का शहद

हर फूल का अलग स्वाद और फायदा, सरसों के शहद का सबसे ज्यादा उत्पादन, विदेशों में होती है सप्लाई

अमन लेखनी समाचार

नोएडा,यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में इस बार अलग-अलग फूलों से तैयार 16 तरह का शहद लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। सहारनपुर के ज्योति ग्रामोद्योग संस्थान की ओर से लगाए गए स्टॉल पर जामुन, लीची, तुलसी, सरसों, अजवाइन और सौंफ समेत कई तरह का शहद उपलब्ध है। संस्थान के अजय कुमार ने बताया कि उनका शहद फ्लेवर्ड नहीं है, बल्कि मधुमक्खियों को अलग-अलग फसलों और फूलों वाले क्षेत्रों में माइग्रेट कराकर तैयार किया जाता है। अजय कुमार के मुताबिक, मधुमक्खियां जिस क्षेत्र में जाती हैं, वहां के फूलों से नेक्टर इकट्ठा करती हैं। इसी वजह से अलग-अलग फूलों से मिलने वाले शहद का स्वाद और विशेषताएं अलग होती हैं। उन्होंने बताया कि जामुन का शहद डायबिटीज वाले लोगों के लिए उपयोगी माना जाता है, जबकि लीची के शहद को इम्युनिटी से जोड़ा जाता है। तुलसी का शहद सर्दी-जुकाम और अजवाइन व सौंफ वाला शहद पाचन के लिए अच्छा माना जाता है।

सरसों के शहद का सबसे ज्यादा उत्पादन

अजय कुमार ने बताया कि भारत में सबसे ज्यादा उत्पादन सरसों के शहद का होता है। उनके अनुसार देश में उत्पादित शहद का करीब 70 प्रतिशत सरसों से प्राप्त होता है और इसका बड़ा हिस्सा निर्यात किया जाता है। सहारनपुर में बड़ी संख्या में हनी फार्मर्स हैं, जो मधुमक्खियों को अलग-अलग खेती वाले क्षेत्रों में ले जाकर शहद का उत्पादन कराते हैं।

शहद के साथ बी-प्रोडक्ट भी

स्टॉल पर सिर्फ शहद ही नहीं, बल्कि मधुमक्खियों से जुड़े कई अन्य उत्पाद भी उपलब्ध हैं।

डीएम के रवैये पर सीएम को शिकायत

यूपीसीएआर अध्यक्ष ने कहा- जनता और कार्यकताओं से संपर्क नहीं, व्यवहारिक जांच कराने के लिए कहा

अमन लेखनी समाचार

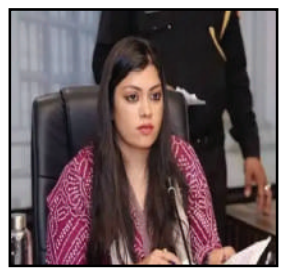

नोएडा , उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (यूपीसीएआर) के अध्यक्ष और राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त कैप्टन विकास गुप्ता ने गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजा है। 14 सितंबर को भेजे पत्र में उन्होंने डीएम पर आम नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं और भाजपा कार्यकताओं की शिकायतों पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया है। कैप्टन विकास गुप्ता ने पत्र में कहा है कि जिले के नागरिकों की ओर से डीएम की अनुपलब्धता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने खुद भी जनसामान्य की समस्याओं और प्रशासनिक कार्यों को लेकर डीएम से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। मंत्री ने मुख्यमंत्री से मामले की जांच कराने और डीएम को जनता, सामाजिक कार्यकताओं और जनप्रतिनिधियों के प्रति अधिक सुलभ और उत्तरदायी रहने के निर्देश देने का अनुरोध किया है। इस संबंध में डीएम या जिला प्रशासन की ओर से कोई पक्ष सामने आता है तो उसे भी खबर में शामिल किया जा सकता है।

डीएम से संपर्क करने का प्रयास किया

कैप्टन विकास गुप्ता ने पत्र में कहा कि जिले के नागरिकों की ओर से डीएम की अनुपलब्धता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने खुद भी जनसामान्य की समस्याओं और प्रशासनिक कार्यों के संबंध में डीएम से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका।

हापुड़ में भी शिकायतों का किया जिक्र

पत्र में कैप्टन विकास गुप्ता ने अपने पुराने अनुभव का भी उल्लेख किया है।

433 गांव के भौमिक अधिकार से जुड़े आंदोलन ने पकड़ी रफ़्तार

-जुगैल में जुटे हजारो मूल निवासी
-दाखिल की जायेगी उच्च न्यायालय में याचिका

अमन लेखनी समाचार

चोपन -सोनभद्र-परगना अगोरी,दुद्धी और सिंगरौली के 433 गांवों में गवर्नमेंट ग्रांट एक्ट वर्ग 1-ख की भूमि को संक्रमणीय भूमिधर अधिकार दिए जाने की मांग तेज होते जा रही है।रविवार को जुगैल स्थित जिरही माता प्रांगण में मूल निवासी अधिकार मंच के बैनर तले जुटे हजारों ग्रामीणों ने आर पार के संघर्ष का एलान किया। मंच के संयोजक धर्मेंद्र सिंह ने आंदोलन की आख्या प्रस्तुत करते हुए कहा कि सभी प्रमुख मांगों को लेकर कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने मामले में उच्च न्यायालय में पीआईएल दाखिल करने का भी एलान किया। बैठक में मंच की ओर से तीनो परगना से जुड़े भूमि एवं राजस्व अभिलेखों के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया।ग्रामीणों की जमीन, मकान, आबादी, तालाब और सांस्कृतिक धरोहरों से संबंधित राजस्व अभिलेखों को सुरक्षित रखने तथा पूर्व में हुई सर्वे एवं अभिलेखीय कार्यवाही से उत्पन्न समस्याओं के समाधान की मांग रखी गई। इसके अलावा ग्रामीणों को खतौनी उपलब्ध कराने, स्थानीय मूल निवासियों को खनन गतिविधियों में अवसर देने तथा क्षेत्र के उद्योगों में स्थानीय युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने जैसे विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। बैठक का संचालन पूर्व ग्राम प्रधान महेश जायसवाल ने तथा अध्यक्षता बच्चा यादव ने किया। बैठक को ग्राम प्रधान राम प्रताप साहनी,जनार्दन बैसवार,राम सजीवन यादव,दिनेश यादव,जमुना यादव,प्रभुनाथ खरवार,दयाराम बैसवार,राम नारायण पांडेय, राम जियावन गोड,रामललित पांडेय,निर्भय कश्यप,अमरेश गुर्जर,राम प्रसाद खरवार आदि ने सम्बोधित किया।

शाकिब खान बने धनबाद मंडल मजदूर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष

नियुक्ति के बाद चोपन पहुंचे शाकिब खान, रेल महाप्रबंधक डिंपी गर्ग एवं डीआरएम अखिलेश मिश्र का किया स्वागत।

अमन लेखनी समाचार

चोपन/सोनभद्र - भारतीय रेलवे मजदूर संघ के धनबाद मंडल में शाकिब खान को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के बाद चोपन क्षेत्र में रेल महाप्रबंधक डिंपी गर्ग के प्रथम आगमन पर शाकिब खान ने उनका स्वागत किया। इस दौरान धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र से भी मुलाकात की। शाकिब खान ने चोपन क्षेत्र के मेहनतकश रेल कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी पहल किए जाने की मांग की। नवनियुक्त मंडल कार्यकारी अध्यक्ष शाकिब खान ने कहा कि जल्द ही धनबाद मंडल के मंडलीय पदाधिकारियों के साथ-साथ धनबाद मंडल की सभी शाखाओं का नए सिरे से गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करते हुए रेल कर्मचारियों की समस्याओं और उनके हितों को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

मजहब की दीवारें टूटीं, संस्कारों का संदेश बना मिसाल: गायत्री परिवार के कार्यक्रम में हजारों भावी माताओं की भागीदारी

मुस्लिम गर्भवती महिलाओं ने भी लिया हिस्सा, गर्भस्थ शिशु को संस्कार देने का दिया संदेश

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज, जनपद में गायत्री परिवार की ओर से आयोजित आओ गढ़ें संस्कारवान पीढ़ी भावी माता अभिनंदन समारोह में हजारों की संख्या में गर्भवती महिलाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में गर्भावस्था के दौरान मां के स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच और गर्भस्थ शिशु के संस्कारों को लेकर जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि आयोजन में जाति और धर्म से ऊपर उठकर मातृत्व और संस्कार का संदेश देखने को मिला। आयोजकों के अनुसार, करीब 10 मुस्लिम गर्भवती महिलाएं भी कार्यक्रम में पहुंचीं, जिन्होंने गर्भस्थ शिशु के स्वस्थ एवं संस्कारवान भविष्य के उद्देश्य से कार्यक्रम में सहभागिता की। इस दौरान मंच से यह संदेश दिया गया कि बच्चे के संस्कार और व्यक्तित्व निर्माण की शुरूआत जन्म के बाद ही नहीं, बल्कि गर्भावस्था से ही होती है। इसलिए गर्भवती माताओं के स्वस्थ वातावरण, सकारात्मक विचार और बेहतर जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महराजगंज जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार चौधरी ने गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी और गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक किया। महराजगंज में आज दिखी इंसानियत और संस्कार की ऐसी तस्वीर, जिसने सबका ध्यान खींच लिया।हजारों गर्भवती महिलाएं एक मंच पर पहुंचीं, जहां जाति-धर्म की दीवारें नहीं, बल्कि स्वस्थ और संस्कारवान पीढ़ी की बात हुई। खास बात यह रही कि मुस्लिम समुदाय की गर्भवती महिलाओं ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर गर्भस्थ शिशु के संस्कार को लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। जिलाधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल रहे मुख्य अतिथि, तो सीएमओ डॉ. सुरेंद्र कुमार चौधरी ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी।

खास समाचार

महिला थाना रॉबर्ट्सगंज के परिवार परामर्श केंद्र मे 04 प्रकरणों की सुनवाई, 02 मामलों में आपसी सहमति से सुलह

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र स्थित परिवार परामर्श केंद्र में पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों की सुनवाई महिला थाना प्रभारी रॉबर्ट्सगंज की अध्यक्षता में की गई। कुल 04 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें दोनों पक्षों को उपस्थित कराकर काउंसलिंग एवं आपसी संवाद की प्रक्रिया अपनाई गई। सुनवाई एवं विस्तृत परामर्श के उपरांत प्राप्त 02 प्रकरणों में दोनों पक्षों के मध्य आपसी सहमति स्थापित कर सुलह-समझौता कराया गया, जिससे संबंधित परिवारों में पुनः सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित हुआ। इसके अतिरिक्त 02 प्रकरणों में आवश्यक काउंसलिंग के उपरांत दोनों पक्षों को अग्रिम तिथि प्रदान की गई। महिला थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान हेतु निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

मूसलाधार बारिश ने रोकी फरियादियों की राह, समाधान दिवस में दो शिकायतें

घुघली थाने में दोपहर तक पहुंचे महज दो फरियादी, दोनों मामले राजस्व विभाग से जुड़े

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज, जनपद में लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश का असर शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस पर भी साफ दिखाई दिया। बारिश के चलते घुघली थाना परिसर में आयोजित समाधान दिवस में दोपहर 12 बजे तक महज दो फरियादी ही अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। दोनों शिकायतें राजस्व विभाग से संबंधित रहीं। समाधान दिवस में उप निरीक्षक जयप्रकाश और महिला उप निरीक्षक खुशबू ने राजस्व विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ फरियादियों की समस्याएं सुनीं। शिकायतों के संबंध में संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शीघ्र निस्तारण पर जोर दिया गया। इस दौरान कानूनगो रविन्द्र चौधरी के अलावा लेखपाल मनोज चौहान, शोभनाथ भारती, आशीष गिरी, चित्रसेन यादव, मारुतिनंदन निगम, राकेश जायसवाल, राकेश सीतामणी, अनूप पाल और चंद्र प्रकाश मौजूद रहे। लगातार बारिश के कारण थाना समाधान दिवस में आम दिनों की अपेक्षा फरियादियों की संख्या काफी कम रही। अधिकारियों ने प्राप्त दोनों शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु सीसी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, ब्लैक स्पॉट एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्रों पर प्रभावी कार्यवाही तथा यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के दिए गए निर्देश।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू एवं सुरक्षित बनाए रखने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।इसी क्रम में आज दिनांक 27.09.2026 को अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल द्वारा पुलिस लाइन चुर्क स्थित कॉन्फ्रेंसिंग हॉल में सीसी टीम के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जनपद में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। दुर्घटना संभावित स्थानों एवं ब्लैक स्पॉट को चिन्हित कर वहां विशेष सतर्कता बरतने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करने तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए ओवरस्पीडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना हेलमेट/सीट बेल्ट वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चलाना एवं अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी निगरानी रखते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही दुर्घटना होने की स्थिति में त्वरित सहायता एवं राहत कार्य सुनिश्चित करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में क्षेत्राधिकारी यातायात सुधीर सिंह, यातायात प्रभारी नरेन्द्र सिंह, आरआई मो0 नदीम, सीसी टीम प्रभारी, एवं उ0नि0 एमटी उपस्थित रहे।

काली पट्टी बांधकर सीएचओ ने किया ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर सेवाएं देते हुए जताया विरोध, 30 सितंबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन धरना

अमन लेखनी समाचार

झांसी। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की लंबित मांगों को लेकर एसोसिएशन ऑफ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में चरणबद्ध आंदोलन शुरू हो गया है। सोमवार को आंदोलन के तहत सीएचओ ने काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार किया और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर उपस्थित रहकर मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। सीएचओ की प्रमुख मांगों में कैडर निर्माण एवं नियमितीकरण, समान कार्य-समान वेतन, पीबीआई को वेतन में मर्ज करने, रिक्त पदों पर स्थानांतरण, कैशलेस स्वास्थ्य बीमा तथा नर्सिंग ऑफिसर भर्ती में वेटेज देने की मांग शामिल है। संगठन के अनुसार 28 और 29 सितंबर को काली पट्टी बांधकर ऑनलाइन कार्य का बहिष्कार जारी रहेगा। इसके बाद 30 सितंबर से लखनऊ के ईको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। संगठन ने प्रदेशभर के सीएचओ से धरने में शामिल होने का आह्वान किया है।

भारी बारिश; पेड़ गिरा, दीवार ढही:5 मवेशी दबे

धनपतगंज में 50 गांवों में 15 घंटे बिजली गुल

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, तेज बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। हाइवे से लेकर गांवों तक की सड़कों पर पानी भर गया। भदैया के शंभूगंज-हनुमानगंज मार्ग पर मुरारपुर में एक पेड़ की डाल गिर गई। इससे बाइक सवार भाजपा मंडल महामंत्री दिलीप सिंह घायल हो गए। हालांकि, उनके साथ मौजूद दो अन्य लोग सुरक्षित बच गए।इसी ब्लॉक के बजेठी गांव में जगन्नाथ शर्मा के मकान का छप्पर और दीवार ढह गई।इस घटना में भी लोग सुरक्षित रहे। अखंडनगर के भेलारा में किसान राम दयाल का पशु बाड़ा भी ढह गया, जिसमें 5 मवेशी दब गए दुबेपुर ब्लॉक के कटावा मे दुल्लापुर-बभनगवा स्कूल मार्ग पर काफी पानी भर गया। भदैया ब्लॉक की भीखमपुर ग्राम पंचायत और शिवगढ़ के सूर्यभान पट्टी जैसे कई इलाकों में भी पानी जमा होने से लोगों को चलने में परेशानी हुई।

बारिश की वजह से बिजली सप्लाई पर भी असर पड़ा

धनपतगंज फीडर से जुड़े 50 गांवों में 15 घंटे तक बिजली बंद रही, जिससे अंधेरा छा गया। लोलेपुर में भी 6 घंटे बिजली बंद रही और 30 गांवों में अंधेरा रहा। शहर के कई इलाकों में भी काफी पानी जमा हो गया।पिछले 24 घंटे के मौसम आंकड़ों के मुताबिक, 1 सितंबर को अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 1.2 डिग्री कम था। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम था। इस दौरान 10 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।मौसम विभाग ने रात 12 बजे से सुबह 6 बजे के बीच बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान हवा का तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और हवा की रफ्तार 14-22 किमी प्रति घंटा रह सकती है। इसमें 43 किमी प्रति घंटे तक के तेज झोंके भी शामिल होंगे। सुबह में 3.1 मिलीमीटर बारिश होने की संभावना है।

आंधी-तूफान और बारिश भी नहीं रोक सकी आस्था की शक्ति, 800 से अधिक गर्भवती माताओं ने लिया संस्कारों का संदेश

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा संचालित आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी कार्यक्रम का भव्य आयोजन 26 सितंबर 2026 को जनपद महराजगंज में किया गया। विपरीत मौसम, तेज आंधी और मूसलाधार बारिश के बावजूद कार्यक्रम में गर्भवती माताओं और महिलाओं का अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। सुंदरम मैरिज हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में 800 से अधिक गर्भवती माताओं की उपस्थिति ने इसे ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम की सफलता के लिए गायत्री परिवार ट्रस्ट एवं गायत्री शक्तिपीठ महराजगंज की महिला टोली ने कई दिनों तक व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। महिला टोली की टोली नायक श्रीमती प्रियंका नायक तथा उनकी सहयोगी महिलाओं ने जनपद के सभी 12 ब्लॉकों में जाकर युवा मंडल, महिला मंडल, प्रज्ञा मंडल, ब्लॉक समन्वयकों और गायत्री परिवार के परिजनों से संपर्क किया। साथ ही आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री बहनों के माध्यम से अधिक से अधिक गर्भवती माताओं को कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया। इस अथक प्रयास का परिणाम यह रहा कि विपरीत मौसम के बावजूद सुंदरम मैरिज हॉल में लगाई गई 800 कुर्सियां और सोफे पूरी तरह भर गए। इसके अतिरिक्त बड़ी संख्या में महिलाएं और अन्य लोग खड़े होकर भी शांतिकुंज हरिद्वार से आई डॉक्टर बहनों की टोली द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान और संस्कारवान पीढ़ी निर्माण से जुड़े संदेशों को ध्यानपूर्वक सुनते रहे। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें मुस्लिम समाज सहित अन्य धर्मों की गर्भवती महिलाओं ने भी सहभागिता की, जिससे सामाजिक समरसता और संस्कारों की एक सुंदर मिसाल देखने को मिली। समापन पर पूर्णाहुति के बाद सभी उपस्थित लोगों के लिए जलपान एवं भोजन प्रसाद की समुचित व्यवस्था की गई। भारी बारिश और तेज हवा के कारण बाहर निकलना संभव नहीं था, इसलिए गायत्री परिवार के स्वयंसेवकों ने कुर्सियों पर बैठे-बैठे ही गर्भवती माताओं एवं महिलाओं तक भोजन प्रसाद पहुंचाया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी के शामिल होने की संभावना थी, लेकिन प्रतिकूल मौसम के कारण उन्होंने अपने प्रतिनिधि के रूप में अपर जिलाधिकारी को भेजा। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। गायत्री परिवार के परिजनों का कहना है कि विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कार्यक्रम का सफल होना गुरुदेव, माताजी एवं गायत्री माता की असीम कृपा और सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

मिशन शक्ति के अंतर्गत शक्तिनगर पुलिस द्वारा ग्राम तारापुर में नशा उन्मूलन को लेकर जागरूकता अभियान

ग्रामवासियों के साथ बैठक कर नशे के दुष्प्रभावों एवं रोकथाम के उपायों की दी गई जानकारी, पम्पलेट व संपर्क नम्बर वितरित।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद में महिला एवं बालिका सुरक्षा तथा सामाजिक जागरूकता को लेकर निरंतर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 27.09.2026 को प्रभारी निरीक्षक थाना शक्तिनगर सत्येन्द्र कुमार राय मय मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम सभा तारापुर में ग्रामवासियों के साथ जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित महिला एवं पुरुष ग्रामवासियों को नशे के दुष्प्रभावों, नशे से होने वाली सामाजिक एवं पारिवारिक समस्याओं तथा नशे के विरुद्ध सामूहिक प्रयास के संबंध में जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्रामवासियों को नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री एवं तस्करी की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही आवश्यक हेल्पलाइन एवं संपर्क नम्बर की जानकारी देते हुए जागरूकता पम्पलेट वितरित किए गए तथा नशे के विरुद्ध अभियान में पुलिस का सहयोग करने की अपील की गई। सोनभद्र पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण के साथ-साथ नशे के विरुद्ध जनजागरूकता एवं जनसहभागिता बढ़ाने हेतु निरंतर अभियान चलाया जा रहा है।

बीट पुलिसिंग को धार देने में जुटी निचलौल पुलिस, सीओ ने खंगाली BPO की बीट बुक

गश्त और बीट सूचनाएं अपडेट रखने के निर्देश, क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने पर जोर

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज, जनपद में बीट पुलिसिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए क्षेत्राधिकारी निचलौल ने थाना निचलौल के बीट पुलिस अधिकारियों (इढड) की बीट बुक की गहन जांच की। इस दौरान बीट क्षेत्र से जुड़ी सूचनाओं, पुलिस की सक्रियता और गश्त व्यवस्था की समीक्षा की गई। क्षेत्राधिकारी ने बीट पुलिस अधिकारियों को अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीट पुलिसिंग का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा क्षेत्र की छोटी-बड़ी गतिविधियों की समय रहते जानकारी जुटाना है। समीक्षा के दौरान अधिकारियों को बीट से संबंधित सूचनाओं को नियमित रूप से अद्यतन रखने, क्षेत्र में प्रभावी गश्त करने और महत्वपूर्ण गतिविधियों पर नजर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्थानीय स्तर पर प्राप्त होने वाली सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए उनका समयबद्ध संकलन एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक –
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक –
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address
amanlekhaninews@gmail.com

जिंदगी और सिनेमा के अनुभवों को किताब में पिरोएंगे

मुंबई। चर्चित अभिनेता संजय मिश्रा ने अपनी अदाकारी से दर्शकों के बीच अच्छी जगह बनाई है। सपोर्टिंग भूमिकाओं के जरिए भी उन्होंने खूब नाम कमाया है। हाल ही में उन्हें 'भक्षक' में अपने किरदार के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस बीच अभिनेता ने अपनी किताब का ऐलान किया है। अभिनेता संजय ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी किताब को लेकर जानकारी दी है। यह दरअसल, अभिनेता की आत्मकथा होगी। इस आगामी ऑटोबायोग्राफी में वे अपनी जिंदगी और कॅरियर से जुड़ी अनकही कहानियों, संघर्षों, अनुभवों और सीखों को साझा करेंगे। किताब का नाम 'हम सीखते-सीखते रह गए' है।

लाइफ Style

कृति

महिलाओं की सुरक्षा का उठाया मुद्दा

हर साल सितंबर महीने के चौथे रविवार को बेटी दिवस मनाया जाता है। ऐसे में इस खास दिन पर बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने भी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने देश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं पर बात की है।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एक्ट्रेस ने समाज से उन रोजमर्रा की सावधानियों पर सोचने को कहा है, जो महिलाओं को सिर्फ सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षित महसूस करने के लिए बरतनी पड़ती हैं। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'इस 'बेटी दिवस' पर जरा सोचिए कि आपकी बेटी आपको फोन करके कहे कि मुझे लग रहा है कुछ आदमी मेरा पीछा कर रहे हैं। सोचिए कि वह रात में अकेले घर जा रही है और बार-बार पीछे मुड़कर देख रही है। सोचिए कि घर पहुंचने से पहले ही उसका फोन बंद हो जाता है। अब एक पल रुक कर इस बारे में सोचिए।' कृति ने आगे बताया कि सुरक्षा के लिए महिलाएं रोजमर्रा की जिंदगी में कितनी चीजें करने को मजबूर हैं। एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, 'लाइव लोकेशन शेयर करने से लेकर, पेपर स्प्रे रखने तक, पैदल जाने के बजाय कैब बुक या सुरक्षित महसूस करने के लिए किसी को फोन करने तक। हमने उसकी जिंदगी को ऐसा बना दिया है कि ये सब उसकी रोजमर्रा की आदत का हिस्सा बन गया है।' एक्ट्रेस ने पोस्ट में आगे लिखा, 'जिस दिन कोई बेटी रात में अकेले घर जा सके, अंधेरा होने के बाद पार्क में बैठ सके, अपनी मर्जी के कपड़े पहन सके, बिना डरे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल कर सके या बिना हमले के डर के किसी सार्वजनिक जगह पर रह सके।

हॉलीवुड मसाला

फ्रेड एस्टेयर बायोपिक में दो बड़ी एंट्री

लॉस एंजिल्स। सोनी पिक्चर्स की अपकमिंग फ्रेड एस्टेयर बायोपिक में अब 'द सब्सटेंस' स्टार मार्गरेट क्वाली और ग्रैमी विजेता सबरीना कारपेंटर की भी एंट्री हो गई है। फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं हुआ है। फिल्म में टॉम हॉलैंड फ्रेड एस्टेयर का किरदार निभाएंगे। वहीं, मार्गरेट क्वाली उनकी बहन और शुरुआती डांस पार्टनर एडेल एस्टेयर की भूमिका में नजर आएंगी। सबरीना कारपेंटर फिल्म में फ्रेड एस्टेयर की मशहूर ऑन-स्क्रीन डांस पार्टनर जिंजर रोजर्स का किरदार निभाएंगी।

अवेंजर्स एंडगेम एनकोर का धमाका

मुंबई। मार्वल की फिल्म 'अवेंजर्स एंडगेम' 7 साल बाद फिर से 'अवेंजर्स एंडगेम एनकोर' नाम से सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म ने री-रिलीज होने के बाद एक बार फिर बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका कर दिया है। फैंस में इसका जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। पहले दिन जहां इसने 7.25 करोड़ का कलेक्शन किया था, वहीं, दूसरे दूसरे दिन इसने 5.92 करोड़ का कलेक्शन किया है। फिल्म ने दो दिनों में कुल 13.17 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। वहीं, 'हनुमान अंश' को रिलीज हुए कुछ दिनों में दो महीने हो जाएंगे और फिल्म अब भी शानदार कमाई कर रही है। 'मिर्जापुर द मूवी' की कमाई में गिरावट देखने को मिली है। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु की फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' को रिलीज हुए 23 दिन हो गए हैं। अब इसकी कमाई धीमी होती नजर आ रही है।

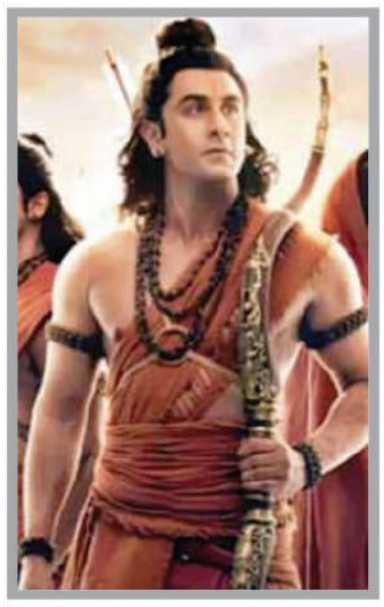

नए पोस्टर में दिखी राम-सीता लक्ष्मण की झलक

मुंबई। 'रामायण' के मेकर्स ने फिल्म के दो पोस्टर जारी किए हैं। एक में राम, सीता और लक्ष्मण नजर आए हैं। दूसरे में रावण दिख रहे हैं। पोस्टर काफी खास हैं। हैं। राम के रूप में रणबीर कपूर बेहद शांत, संयमित और साहसी नजर आ रहे हैं। उनके व्यक्तित्व में सहज गरिमा और राजसी आभा दिखाई देती है। वहीं, सीता के रूप में साई पल्लवी अपनी गरिमा, मासूमियत, भक्ति, धैर्य और निडरता से प्रभावित करती हैं। लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे निष्ठा, प्रेम और अपने भाई के प्रति समर्पण भाव लिए नजर आ रहे हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का एक दूसरा पोस्टर भी रिलीज किया है। इस पोस्टर में रावण के रूप यश को दिखाया गया है। पोस्टर में देखा जा सकता है कि रावण के रूप में यश अपनी लंका में खड़े हैं। मुकुट पहने यश काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं।

वानर सेना के चश्मा पहनने पर उड़ा मजाक

नई दिल्ली। 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के एक प्रमोशनल पोस्टर ने ऑनलाइन खूब चर्चा छेड़ दी है। दर्शकों ने सुग्रीव को चश्मा पहने देखा, जिसके बाद त्रेता युग में वानर सेना के इस लुक को लेकर मजाक बनने लगे और फिल्म के प्रोडक्शन की क्वालिटी पर भी सवाल उठने लगे। 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के थिएटर में रिलीज होने के बाद इसने लोगों का काफी ध्यान खींचा है। फिल्म के प्रोडक्शन और विजुअल इफेक्ट्स पर दर्शक चर्चा कर रहे हैं। हाल ही में रिलीज एक प्रमोशनल पोस्टर को लेकर यह चर्चा और तेज हो गई है, क्योंकि, बारीकी से देखने वाले दर्शकों की नजर एक वानर सेना के किरदार पर पड़ी, जिसने आधुनिक चश्मा पहना हुआ था। सोशल मीडिया पर 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के प्रमोशनल पोस्टर वायरल हो रहे हैं।

टीवी मसाला

केबीसी 18 : 'हमारे घर आता तो उसको गोली मार देते'

नई दिल्ली। 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के हालिया एपिसोड में एक्टर राजकुमार राव और वामिका गब्बी के साथ पब्लिक प्रॉसिक्यूटर उज्ज्वल निकम भी नजर आए। दरअसल, यह सभी अपनी आने वाली फिल्म 'प्रहार- द अनटोल्ड स्टोरी' को प्रमोट करने आए थे, जो उज्ज्वल की ही बायोपिक है। शो में अमिताभ बच्चन से बात करते हुए उज्ज्वल निकम ने दावा करते हुए बताया कि 26/11 मुंबई आतंकी हमले केस की सुनवाई के दौरान अजमल कसाब ने उनसे कहा था कि वो मुंबई में अमिताभ बच्चन से मिलने आया था। उज्ज्वल निकम की यह बात सुनकर शो के होस्ट बिग बी चौंक गए। शो के दौरान अमिताभ बच्चन ने 26/11 केस को लेकर उज्ज्वल निकम से काफी सारे सवाल किए। अमिताभ ने पूछा कि कसाब को फांसी देने में चार साल का वक्त क्यों लगा। उसे तो वहीं गाड़ देना चाहिए था, इसमें इतना टाइम क्यों लगा। इस पर उज्ज्वल ने कोर्ट के नियमों और कानूनी प्रक्रिया के बारे में बताया। निकम ने आगे बताया कि कसाब ने कथित तौर पर उनसे कहा था कि वह अमिताभ बच्चन से मिलने मुंबई आया था। निकम ने कहा, 'आपको ताज्जुब होगा जो उसने आगे कहा था कि मैं तो अमिताभ जी को देखने आया था। ये सच में हुआ है।' निकम की बात सुनकर अमिताभ बच्चन चौंक गए। बिग बी ने कहा, 'नहीं नहीं सर, अगर वो आया होता, तो हमारे घर से जाने वाला नहीं था। वहीं, हम गोली मार देते उसे।' फिर निकम ने आगे ट्रायल में देरी का कारण भी बताया। उन्होंने कहा कि कानून किसी आरोपी को तब तक बेगुनाह मानता है, जब तक वह दोषी साबित न हो जाए और उन्हें अपना बचाव करने का अधिकार देता है।

स्वरा -शहजाद में जमकर हुआ जुबानी जंग

नई दिल्ली। क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग द्वारा होस्टेड रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' को शुरू हुए अभी एक दिन ही हुआ है और कंटेस्टेंट्स के बीच झगड़े अभी से शुरू हो गए हैं। हाल ही में शो का एक वीडियो सामने आया, जिसमें स्वरा भास्कर और शहजाद पूनावाला आपस में जुबानी जंग करते हुए नजर आए। सिर्फ इतना ही नहीं, बातों ही बातों में उन्होंने स्वरा के पति फहाद का भी जिक्र किया और उन पर तंज कसा। शो का एक प्रोमो सामने आया है, जिसमें होस्ट वीरेंद्र सहवाग कंटेस्टेंट शहजाद से कहते हैं कि सोशल मीडिया पर तो आपने बहुत बातें की हैं। अब वो (स्वरा) जब अंदर आई हैं, तो आपने बात ही नहीं की। आवाज बैठ गई है क्या। इस पर शहजाद ने कहा, 'मेरा स्वर दबाने वाला अभी तक कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ।'

द पैराडाइस ने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर रचा इतिहास

नानी की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द पैराडाइज' ने 24 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। पहले दिन धांसू ओपनिंग के बाद फिल्म ने दूसरे दिन आधी से भी कम कमाई की थी, लेकिन तीसरे दिन इसने ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की है।

नई दिल्ली। सैकनिल्क के मुताबिक, 24 सितंबर को रिलीज हुई 'द पैराडाइज' ने एक दिन पहले यानी 23 सितंबर को पेड प्रीव्यू में 11.6 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। इसके बाद पहले दिन 34.65 करोड़ रुपए की धांसू ओपनिंग की। हालांकि, दूसरे दिन यानी शुक्रवार को इसकी कमाई में गिरावट आई, लेकिन शनिवार को फिल्म ने 15.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस कमाई के साथ यह फिल्म नानी के कॅरियर की कमर्शियली सबसे सफल बन गई है। फिल्म ने दुनियाभर में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करते हुए 117.75 करोड़ रुपए का रिकॉर्डतोड़ कलेक्शन किया है। जिसमें 27.25 करोड़ रुपए का टोटल ओवरसीज कलेक्शन शामिल है। घरेलू बॉक्स ऑफिस की बात करें तो फिल्म ने तीसरे दिन की कमाई के साथ 76.40 करोड़ रुपए का नेट इंडिया कलेक्शन और 90.50 करोड़ रुपए का ग्रॉस इंडिया कलेक्शन किया है। तीसरे दिन फिल्म की सबसे ज्यादा कमाई तेलुगु में 13.35 करोड़ रुपए हुई है, इसके बाद हिंदी में 1.65 करोड़ रुपए और तमिल में 0.25 करोड़ रुपए हुई है। 'द पैराडाइज' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इसे श्रीकांत ओडेला ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में नानी, मोहन बाबू, कयादु लोहार, सोनाली कुलकर्णी और राघव जुयाल अहम किरदारों में हैं। इसमें नानी 1980 के दशक के सिकंदराबाद में एक संघर्षरत जनजाति के नेता की भूमिका निभाते हैं, जो भेदभाव का सामना करते हुए नागरिकता के लिए लड़ते हैं।

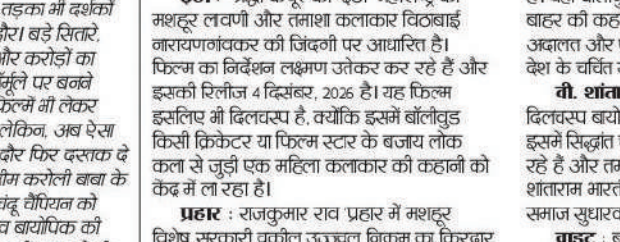

सौम्या के हाथ लगी बड़जात्या की फिल्म, शेयर किया इमोशनल नोट

मुंबई। भाभी जी घर पर हैं की गोरी मेम उर्फ सौम्या टंडन पिछले दिनों रणवीर सिंह स्टारर ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर धुरंधर के बाद अब सूरज बड़जात्या की फिल्म में नजर आएगी। इस अपकमिंग फिल्म को लेकर सौम्या टंडन ने सोशल मीडिया के जरिए खुशी जाहिर की है। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' में सौम्या टंडन ने अपने अभिनय के लिए खूब सुर्खियां बटोरीं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर में सौम्या टंडन ने अक्षय खन्ना अभिनीत रहमान डकैत की पत्नी उल्फत का किरदार निभाया था, जिसमें उन्हें काफी पसंद किया गया। 'धुरंधर' के बाद अब सौम्या टंडन एक नई फिल्म की तैयारी में जुट गई हैं। अब सूरज बड़जात्या की अपकमिंग फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' में नजर आएंगी, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ लीड रोल में हैं। हाल ही में इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने सूरज बड़जात्या का आभार जताया है। सौम्या टंडन ने अपनी अपकमिंग फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह सूरज बड़जात्या और 'ये प्रेम मोल लिया' के अन्य स्टार कास्ट के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीरों में सौम्या गुलाबी रंग की साड़ी और खूबसूरत ज्वेलरी और मेकअप में नजर आ रही हैं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं। सौम्या ने फिल्म का एक पोस्टर भी शेयर किया है, जिसमें उनके साथ शरवरी वाघ, आयुष्मान खुराना, सुप्रिया पाठक, अनुपम खेर और अन्य कलाकार नजर आ रहे हैं। सौम्या टंडन ने ये तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा- 'सूरज बड़जात्या सर के निर्देशन में काम करना किसी भी एक्टर का सपना होता है। यह अब तक का सबसे खुशनुमा सेट रहा है। ये प्रेम मोल लिया के सेट पर बिताए हर पल को मैं हमेशा याद रखूंगी। मेरा सच में मानना है कि स्क्रीन पर जो सच्चा प्यार दिखता है, वह असल में उसके पीछे मौजूद सच्चे प्यार से ही आता है।

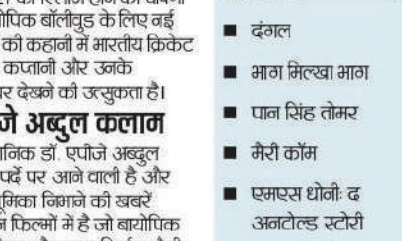

इन दिग्गजों की कहानी पर दांव खेलेंगे मेकर्स

असली दिग्गजों की कहानी बॉलीवुड के लिए बना हिट का नया फार्मूला

नई दिल्ली। साल 2026 के आखिर और 2027 में कई बायोपिक फिल्में मेकर्स लेकर आने वाले हैं। ऐसे में क्या अब असली दिग्गजों की कहानी बॉलीवुड के लिए हिट का नया फार्मूला बन गया है। हिंदी सिनेमा का इतिहास सिर्फ फिल्मों की कहानियों का इतिहास नहीं है, बल्कि बदलती पसंद और बदलते सिनेमाई ट्रेंड का भी इतिहास है। एक दौर था जब बड़े पर्दे पर प्रेम कहानियों का जादू चलता था। हीरो-हीरोइन, प्यार, जुदाई और मिलन... यही फॉर्मूला दर्शकों को थिएटर तक खींच लाता था। फिर समय बदला और बॉलीवुड ने कॉमेडी को अपनाया। एक के बाद एक कॉमेडी फिल्मों ने दर्शकों को हंसाया और बॉक्स ऑफिस पर अपनी जगह बनाई। इसके बाद हॉरर और हॉरर-कॉमेडी का दौर आया, जब भूत-प्रेत और डर के साथ हंसी का तड़का भी दर्शकों को पसंद आने लगा। फिर आया एक्शन का दौर। बड़े सितारे, बड़े हथियार, बड़े सेट, हाई-ऑक्टेन एक्शन और करोड़ों का बजट... बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में इसी फॉर्मूले पर बनने लगीं। इन सबके बीच मेकर्स कुछ बायोपिक फिल्में भी लेकर आए, जिनमें से कुछ हिट हुईं तो कुछ फ्लॉप। लेकिन, अब ऐसा लगता है कि हिंदी सिनेमा का बायोपिक वाला दौर फिर दस्तक दे रहा है। दरअसल, साल 2026 में जिस तरह नीम करोली बाबा के जीवन पर बनी 'हनुमान अंश' हिट हुई और चंदू चैंपियन को नेशनल अवॉर्ड मिला। ऐसे में मेकर्स का झुकाव बायोपिक की तरफ बढ़ता नजर आ रहा है। सिर्फ इतना ही नहीं, 2027 में भी कई बड़े बायोपिक प्रोजेक्ट लाइन में हैं, उससे यह सवाल जरूर उठता है कि क्या बॉलीवुड अब काल्पनिक कहानियों से ज्यादा वास्तविक जिंदगी के किरदारों में नया ड्रामा तलाश रहा है।

इंठा : श्रद्धा कपूर की 'इंठा' महाराष्ट्र की मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं और इसकी रिलीज 4 दिसंबर, 2026 है। यह फिल्म इसलिए भी दिलचस्प है, क्योंकि इसमें बॉलीवुड किसी क्रिकेटर या फिल्म स्टार के बजाय लोक कला से जुड़ी एक महिला कलाकार की कहानी को केंद्र में ला रहा है।

प्रहार : राजकुमार राव 'प्रहार' में मशहूर विशेष सरकारी वकील उज्ज्वल निकम का किरदार निभा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म एक कोर्टरूम ड्रामा है और इसमें उनके महत्वपूर्ण कानूनी ममलों को कहानी का हिस्सा बनाया गया है। फिल्म 16 अक्टूबर, 2026 को रिलीज होने वाली है। यहां बॉलीवुड को क्रिकेट या फिल्म इंडस्ट्री से बाहर की कहानी मिलती है। कानून, अपराध, अदालत और एक ऐसे व्यक्ति की जिंदगी जिसने देश के चर्चित मामलों में पैरवी की।

वी. शांताराम की कहानी : 2026 की सबसे दिलचस्प बायोपिक में 'वी. शांताराम' भी शामिल है। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी 'शांताराम' की भूमिका निभा रहे हैं और तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हैं। शांताराम भारतीय सिनेमा के जाने-माने फिल्ममेकर, समाज सुधारक और कलाकार थे।

वाइट : बायोपिक का यह नया दौर सिर्फ मनोरंजन की दुनिया तक सीमित नहीं है। 'वाइट' नाम की फिल्म श्री श्री रविशंकर की जिंदगी पर आधारित बताई जा रही है, जिसमें विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका में हैं।

2027 में और बड़ा होगा खेल?

राजकुमार राव की 'दादा' इस ट्रेंड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म में वह भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म का पहला लुक 2002 के लॉर्ड्स के मशहूर शर्टलेस सेलिब्रेशन को रीक्रिएट करता है और फिल्म 14 मई, 2027 को रिलीज होने की घोषणा की गई है। क्रिकेट बायोपिक बॉलीवुड के लिए नई नहीं है, लेकिन गांगुली की कहानी में भारतीय क्रिकेट के एक महत्वपूर्ण दौर, कप्तानी और उनके व्यक्तित्व को बड़े पर्दे पर देखने की उत्सुकता है।

धनुष और एपीजे अब्दुल कलाम

पूर्व राष्ट्रपति और वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जिंदगी भी पर्दे पर आने वाली है और इसमें धनुष के मुख्य भूमिका निभाने की खबरें सामने आई हैं। यह उन फिल्मों में है जो बायोपिक के दायरे को विज्ञान, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण जैसी कहानियों तक ले जाती हैं।

ऋषभ शेट्टी की 'द प्राइड ऑफ भारत': 2027 की लिस्ट में 'द प्राइड ऑफ भारत- छत्रपति शिवाजी महाराज' भी शामिल है, जिसमें ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। ऐतिहासिक व्यक्तित्वों पर बनने वाली ऐसी फिल्मों में बायोपिक और पीरियड एपिक का मेल दिखाई देता है। यानी वास्तविक व्यक्ति की जिंदगी को बड़े सिनेमाई स्केल पर पेश करना।

अभी तक बन चुकी हैं ये बायोपिक फिल्में

- दंगल
- भाग मिल्खा भाग
- पान सिंह तोमर
- मैरी कॉम
- एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी
- गुंजन सक्सेना
- सुपर 30
- सरबजीत
- संजू
- अजहर